# शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग

नैक बैंगलोर द्वारा मूल्यांकित "A+" ग्रेड की अधिमान्यता प्राप्त महाविद्यालय

# कॉलेज समाचार

जनवरी-जून - 2025


## राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत
## कॉलेज में ताइवान के प्रोफेसर का आमंत्रित व्याख्यान

'सभी देशों के विद्यार्थी एक समान होते है। उनक सोच एवं किसी विषय के प्रति केवल नजरिये में अंतर होता है'। इसका मुख्य कारण उनका समाजिक परिवेश होता है। ये विचार ताइवान विश्वविद्यालय के भूगर्भशास्त्र के प्रोफेसर ग्रेग शैलनट ने महाविद्यालय में व्यक्त किये। प्रोफेसर शैलनट राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत भूगर्भशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित आमंत्रित व्याख्यान में व्यक्त किये। महाविद्यालय के स्वशासी भवन में स्थित डॉ. राधा कृष्णन सभागार में विज्ञान संकाय के लगभग 400 से अधिक छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुये प्रोफेसर शॅलनट ने कहा कि विद्यार्थियों को किसी एक विषय पर ध्यान केन्द्रित करते हुए लक्ष्य की ओर बढ़ना चाहिए। विद्यार्थियों में जिज्ञासु प्रवृति होनी चाहिए जब तक विद्यार्थी के मन में विषय विशेष को जानने की जिज्ञासा नहीं होगी वह कभी भी आगे नहीं बढ़ सकता। साईंस कालेज, दुर्ग के विज्ञान संकाय के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों से चर्चा करते हुए प्रोफेसर शैलनट ने शोध के क्षेत्र में विद्यार्थियों हेतु उपलब्ध संसाधनों एवं अवसरों की विस्तार से जानकारी दी। विभिन्न स्नातकोत्तर विभागों के विद्यार्थियों ने अनेक प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासा को शांत किया।

कार्यक्रम के आरंभ में भूगर्भशास्त्र के सहायक प्राध्यापक डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत विद्यार्थियों के आत्मविश्वास बढ़ाने एवं नवीनतम जानकारी उपलब्ध कराने हेतु विदेशी प्राध्यापकों से सीधा संवाद पर विस्तार से प्रकाश डालते हुये प्रोफेसर शैलनट का परिचय दिया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय सिंह तथा प्राणी शास्त्र की प्राध्यापक श्रीमती मौसमी डे ने अतिथियों का पौधा भेंटकर सम्मान किया। पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर के भूगर्भशास्त्र के प्राध्यापक डॉ. के. आर. हरि ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों से कहा कि वे शिक्षकों से ज्यादा से ज्यादा ज्ञान अर्जित करने का प्रयत्न करें। डॉ. हरि ने छत्तीसगढ़ की भू-संपदा की जानकारी देते हुए बताया कि इसके महत्व के कारण विदेशी प्रोफेसर एवं वैज्ञानिक अध्ययन हेतु भारत आते है।

अपने स्वागत भाषण में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह ने कहा कि प्रोफेसर शैलनट द्वारा विद्यार्थियों के साथ संवाद से विद्यार्थियों में एक नई उर्जा का संचार होगा तथा स्नातकोत्तर विद्यार्थी शोध कार्य की तरफ मुड़ेंगे। डॉ. सिंह ने कहा कि भविष्य में भी विभिन्न स्नातकोत्तर विभागों के विद्यार्थियों हेतु आमंत्रित व्याख्यान आयोजित किये जायेगें। संवाद कार्यक्रम के अंत में अतिथियों का श्रीफल एवं शॉल भेंटकर सम्मान करने वालों में प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह तथा प्राणीशास्त्र विभाग की प्राध्यापक डॉ. दिव्या कुमुदिनी मिंज एवं डॉ. नीरू अग्रवाल शामिल थी। इस कार्यक्रम के आयोजन में डॉ. विकास स्वर्णकार, डॉ. इन्द्रजीत साकेत, डॉ. अभिषेक मिश्रा एवं विज्ञान संकाय के समस्त विभागाध्यक्षों का उल्लेखनीय योगदान रहा।

सम्पादक : डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव

# पदोन्नत 14 प्राचार्यों का भव्य सम्मान समारोह
# साईंस कॉलेज हम सभी का प्रेरणादायी संस्थान - पदोन्नत प्राचार्य

महाविद्यालय में प्राध्यापक से स्नातक प्राचार्य के पद पर पदोन्नत 14 प्राचार्यों का भव्य सम्मान समारोह महाविद्यालय में आयोजित किया गया। इस समारोह में पदोन्नत प्राचार्यों के साथ-साथ लगभग 250 से अधिक प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों तथा अतिथि प्राध्यापकों ने हिस्सा लिया। डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव ने बताया कि महाविद्यालय स्टॉफ क्लब द्वारा आयोजित इस सम्मान समारोह का आरंभ माता सरस्वती की पूजन-अर्चन तथा छत्तीसगढ़ राज्य गीत के प्रस्तुतिकरण के साथ हुआ।

प्रारंभ में स्वागत गीत रसायन शास्त्र की डॉ. अनुपमा कश्यप ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव ने बताया कि गत नवम्बर माह में उच्चशिक्षा विभाग छत्तीसगढ़ शासन द्वारा जारी स्नातक प्राचार्यों की पदोन्नति आदेश के परिपालन में महाविद्यालय में 18 प्राध्यापकों की पदोन्नति हुई थी, जिनमें से 12 प्राध्यापकों ने प्रदेश के विभिन्न महाविद्यालयों में स्नातक प्राचार्य का पदभार ग्रहण किया। शेष 6 प्राध्यापकों ने व्यक्तिगत कारणों से प्राचार्य पद पर पदोन्नति नही स्वीकार की।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह ने अपने स्वागत भाषण में सभी पदोन्नत प्राचार्यों का स्वागत करते हुए कहा कि वे अपने-अपने महाविद्यालयों को प्रगति के पथ पर अग्रसर करने हेतु प्रयास करें, इसके लिए साईंस कालेज, दुर्ग हर संभव मदद करेगा । पदोन्नत प्राध्यापकों में डॉ. एम.ए. सिद्दीकी ने शासकीय महाविद्यालय, नगपुरा, डॉ. अजय सिंह ने साईंस कालेज दुर्ग, डॉ. अनिल कुमार ने शासकीय काकातीया महाविद्यालय, जगदलपुर, डॉ. अनुपमा अस्थाना ने शासकीय महाविद्यालय, रिसाली, डॉ. शिखा अग्रवाल ने शासकीय महाविद्यालय, जामगांव आर, डॉ. कमर तलत ने शासकीय महाविद्यालय बोरी, डॉ. रंजना श्रीवास्तव ने शासकीय कन्या महाविद्यालय, दुर्ग, डॉ. आर.एस. सिंह ने शासकीय महाविद्यालय, जामुल, डॉ. सोमाली गुप्ता ने शासकीय महाविद्यालय, अर्जुन्दा, डॉ. सुचित्रा गुप्ता ने शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव, डॉ. अश्विनी महाजन ने शासकीय महाविद्यालय, भिलाई-3, डॉ. अनिल कश्यप ने शासकीय आत्मानंद मॉडल कालेज, सोमनी, राजनांदगांव, डॉ. बलजीत कौर, शासकीय महाविद्यालय, खुर्सीपार भिलाई में प्राचार्य का पदभार ग्रहण किया। इन सभी को आज महाविद्यालय में पौधा, श्रीफल, शॉल एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। सम्मान करने वालों में डॉ. शकील हुसैन, डॉ. जगजीत कौर सलूजा, डॉ. मर्सी जॉर्ज, डॉ. अनिल पाण्डेय, डॉ. अभिनेषश्श सुराना, डॉ. सुकुमार चटर्जी, डॉ. प्रज्ञा कुलकर्णी, डॉ. एच.पी. सिंह सलूजा, डॉ. के. पद्मावती, डॉ. जी.एस.ठाकुर, डॉ. ज्योति धारकर, डॉ. जनेन्द्र कुमार दीवान, डॉ. अनिल कुमार मिश्रा, श्री लक्ष्मेन्द्र कुलदीप, श्री संजय यादव, डॉ. गोविन्द प्रसाद गुप्ता, श्रीमती उपमा श्रीवास्तव, डॉ. रजनीश उमरे, डॉ. निधि शर्मा, डॉ. दिव्या कुमुदिनी मिंज आदि शामिल थे।

समारोह के अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉ. एस.डी. देशमुख ने किया । इस अवसर पर महाविद्यालय में हाल ही में स्थानांतरित होकर आये सहायक प्राध्यापकों डॉ. राकेश रंजन सिंह, डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव तथा डॉ. सुमीत अग्रवाल को पौधा भेंटकर उनका स्वागत किया गया।

कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा रंगारंग आदिवासी लोक नृत्य प्रस्तुत किया गया। अपने संबोधन में सभी नव पदस्थ प्राचार्यों ने साईंस कालेज, दुर्ग को अपना प्रेरणादायी संस्थान बताते हुए कहा कि वे सभी इस कालेज के प्रति कृतज्ञ रहेंगे । सभी ने साईंस कालेज, दुर्ग में बिताये गये पलों को साझा किया।

# सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग द्वारा 'इमर्जिंग होराइज़न्स इन बायोलॉजिकल साइंसेज़ (EHBS-2025)' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का सफल आयोजन

महाविद्यालय के सूक्ष्मजीवविज्ञान विभाग द्वारा 'इमर्जिंग होराइज़न्स इन बायोलॉजिकल साइंसेज़ (EHBS-2025)' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का सफल आयोजन किया गया। यह सम्मेलन RUSA 2.0 द्वारा प्रायोजित था। सम्मेलन का उद्देश्य जैविक विज्ञान के उभरते क्षेत्रों, विशेषकर सूक्ष्मजीवी विविधता के अन्वेषण एवं संरक्षण के माध्यम से पशु विज्ञान, जैव सूचना विज्ञान, पारिस्थितिकी एवं उत्क्रांति, स्वदेशी ज्ञान का वैज्ञानिक सत्यापन, माइक्रोबियल प्रौद्योगिकी, नैनोविज्ञान तथा पादप एवं कृषि जैव प्रौद्योगिकी में शोध को प्रोत्साहित करना था।

सम्मेलन का शुभारंभ सरस्वती वंदना के साथ हुआ। आयोजन की संयोजिका डॉ. प्रज्ञा कुलकर्णी ने स्वागत उद्‌बोधन देते हुए सम्मेलन की थीम पर प्रकाश डाला। महाविद्यालय के प्राचार्य एवं संरक्षक डॉ. अजय कुमार सिंह ने आशीर्वचन प्रदान किए। उद्‌घाटन सत्र के मुख्य अतिथि डॉ. भुवनेश कुमार (शारदा विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा) ने अपने उद्‌बोधन में जीवन विज्ञान के महत्व पर बल देते हुए विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को अंतर्विषयक अनुसंधान के लिए प्रेरित किया। उन्होंने डी.आर.डी.ओ. में अपने अनुभव भी साझा किए।

मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. एस.के. गोस्वामी (जेएनयू, नई दिल्ली) ने 'ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से रेडॉक्स सिग्नलिंग तक की यात्रा' विषय पर व्याख्यान दिया, जिसमें उन्होंने कोशिकीय विभाजन, चयापचय एवं जीन नियमन में मुक्त कणों की भूमिका को सरल शब्दों में समझाया। इस सत्र का संचालन डॉ. श्वेता पांडेय ने किया।

सम्मेलन में कुल छह आमंत्रित व्याख्यान हुए। डॉ. अनुपम मित्तल (पी.जी.आई.एम.ई.आर., चंडीगढ़) ने हृदय रोगों में प्रेरित प्लुरिपोटेंट स्टेम सेल के उपोग पर प्रकाश डाला। डॉ. मृगया बाबूता (हैदराबाद विश्वविद्यालय) ने ऑटोफैजी-लाइसोजोमल पाथवे एवं अल्कोहल-संबंधी यकृत रोगों में बाह्य कोशिकीय वेसिकल्स की भूमिका पर व्याख्यान दिया। डॉ. अरुण उपाध्याय (आईआईटी भिलाई) ने अल्ज़ाइमर रोग की पहचान हेतु नई एमिलॉयड शुद्धिकरण तकनीक प्रस्तुत की। दूसरे दिन डॉ. आरती शानवरे

(एलआईटी विश्वविद्यालय, नागपुर) ने जैव उर्वरक एवं जैव कीटनाशक तकनीक और किसानों तक उसके हस्तांतरण की जानकारी दी। डॉ. के.के. साहू (पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर) ने नैनो मटेरियल्स द्वारा पुराने बीजों के पुनर्जीवन पर चर्चा की, जबकि डॉ. वरुण चौधरी (आईआईएसईआर, भोपाल) ने ड्रोसोफिला जीन की भूमिका पर व्याख्यान दिया। सम्मेलन में कुल 152 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कुल 28 मौखिक प्रस्तुतियाँ निर्धारित थीं, जिनमें से प्रथम दिवस 5 प्रस्तुतियाँ हुईं। साथ ही 27 पोस्टर प्रस्तुतियों का मूल्यांकन किया गया। पोस्टर सत्र के निर्णायक डॉ. उषा साहू एवं डॉ. मृगया बाबूता रहीं।

समापन (वैलिडिक्टरी) सत्र की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह ने की, जिसमें मुख्य अतिथि डॉ. वरुण चौधरी थे। आयोजन सचिव डॉ. श्वेता पांडेय ने सत्र का संचालन किया। संयोजक डॉ. प्रज्ञा कुलकर्णी ने समापन वक्तव्य में सम्मेलन की सफलता पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि यह आयोजन शोधार्थियों के लिए नए अनुसंधान आयाम खोलने में सहायक सिद्ध हुआ। उत्कृष्ट प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए गए तथा सभी को सहभागिता प्रमाण पत्र वितरित किए गए। सम्मेलन के सफल आयोजन में आयोजन समिति एवं सलाहकार समिति के सभी सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। अंत में प्राचार्य द्वारा सभी को शुभकामनाएँ देते हुए सम्मेलन का समापन किया गया।

# कॉलेज समाचार

## महिला प्रकोष्ठ
## स्त्री स्वास्थ्य एवं स्वच्छता जागरूकता

महाविद्यालय की महिला प्रकोष्ठ द्वारा दिनांक 22 जनवरी 2025 को स्त्री स्वास्थ्य एवं स्वच्छता जागरूकता पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता स्त्री रोग विशेषज्ञ एवं फारसी प्रेसीडेन्ट डॉ. संगीता सिन्हा ने अपने व्याख्यान में स्त्री स्वास्थ्य से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करते हुए स्वच्छता पर अपने विचार को केन्द्रित किया । डॉ. सिन्हा ने मासिक धर्म स्वच्छता एवं यूरिनल स्वच्छता पर जोर दिया। उन्होंने कहा यूजीआई महिलाओं की आम समस्या है । आपने संक्रमण से बचाव के लिए समय-समय पर चेकअप करवाने की पुरजोर वकालत की।

डॉ. संगीता सिन्हा ने पंपुलेना वैक्सीन कार्यक्रम की महत्त्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने ने कहा सरवाइकल कैंसर एवं पंपुलेमा के बीच खास संबंध है। कार्यक्रम की शुरूआत में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय सिंह ने स्वागत भाषण देते हुए विषय की महत्ता पर जोर देते हुए कहा कि 'महिला सशक्तिकरण' की दिशा में स्वास्थ्य जागरूकता भी महत्त्वपूर्ण है'। महिला प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ. अनिता शुक्ला ने कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। साथ ही डॉ. अनीता ने डॉ. मर्सी जॉर्ज, डॉ. अनुपमा कश्यप के साथ अतिथियों का स्वागत किया।

डॉ. प्रेरणा कठाने एवं डॉ. राजेश्वरी लहरे छात्र-छात्राओं से फीड बैक प्राप्त किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. विजय लक्ष्मी नायडू एवं डॉ. निगार अहमद विशेष रूप से उपस्थित थीं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. नीरू अग्रवाल ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. रचिता श्रीवास्तव द्वारा दिया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

# पोषक विद्यालय संपर्क अभियान

दिनांक 06.01.2025 को पोषक विद्यालय संपर्क अभियान के अंतर्गत महाविद्यालय में गणित विभाग के द्वारा स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम विद्यालय दीपक नगर दुर्ग (छ.ग.) में एक प्रेरणात्मक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य 11वीं और 12 वीं कक्षा के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के महत्व से अवगत कराना है। महाविद्यालय के गणित विभाग के विद्यार्थियों के द्वारा शैक्षिक और कैरियर लक्ष्यों को स्पष्ट करना था।

प्राचार्य डॉ. अजय सिंह के मार्गदर्शन में गणित विभाग के अतिथि प्राध्यापक श्रीमती निधि शर्मा, कु. बिजमा सिदार, कु. अम्बालिका चौहान ने भाग लिया और महाविद्यालय में उपलब्ध पाठ्यक्रम शोध कार्यों, शैक्षणिक उपलब्धियो ं और महाविद्यालय में प्रदान किये जाने वाले अन्य शैक्षणिक व व्यक्तिगत विकास के अवसरों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

# कॉलेज समाचार

## पुलवामा हमले की स्मृति में एन.एस.एस. द्वारा भावनात्मक संगीतमय प्रस्तुति का आयोजन

महाविद्यालय द्वारा 14 फरवरी 2019 को हुए पुलवामा हमले के शहीदों के स्मृति में एन.एस.एस. की छात्रा इकाई द्वारा भावनात्मक संगीतमय नाट्य की प्रस्तुति की गयी। यह जानकारी देते हुए महाविद्यालय की एन.एस.एस. की छात्रा विंग की अधिकारी डॉ. मीना मान ने बताया कि इस संगीतमय प्रस्तुति में पुलवामा के शहीदों द्वारा देश के प्रति दिए गए बलिदान तथा अंत तक प्राणों की आहुति दिए जाने संबंधी ज्ञानवर्धक जानकारी के साथ-साथ वहां उपस्थित सभी छात्र-छात्राओं एवं प्राध्यापकों को ह्दय से झकझोंर कर रख दिया। बड़ी संख्या में उपस्थित छात्र-छात्राओं एवं प्राध्यापकों ने महाविद्यालय के खुले प्रांगण में आयोजित इस प्रस्तुति की सराहना की।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि विद्यार्थियों द्वारा की गयी यह संगीतमय प्रस्तुति हमें अपने सैनिकों के प्रति सम्मान और कर्तव्य बोध का एहसास कराती है। डॉ. सिंह ने इस प्रकार के राष्ट्र भक्ति से ओत-प्रोत कार्यक्रमों के आयोजन से युवाओं में राष्ट्र प्रेम की भावना जागृत करने के साथ-साथ समाज को जागरूक करने में सहायता मिलती है।

इस संगीतमय प्रस्तुति के पश्चात् महाविद्यालय परिवार ने शहीदों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके अदम्य साहस व बलिदान को हमेशा याद रखने का संकल्प लिया। एन.एस.एस. की छात्रा स्वयं सेवकों द्वारा की गयी इस प्रस्तुति के दौरान प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. अभिनेष सुराना, डॉ. शकील हुसैन, डॉ. मर्सी जॉर्ज, डॉ. तरलोचन कौर, डॉ. निगार अहमद, डॉ. रचिता श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में प्राध्यापक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

कार्यक्रम को सफल बनाने में एन.एस.एस. की दल नायिका रागिनी साहू , खुश्बू, चंचल, भावना, दामिनी माही, यामिनी, डुरीना, हर्षलता, संघप्रिया, का जल एवं अन्य स्वयं सेविकाओं की उल्लेखनीय भागीदारी रही ।

## अर्थशास्त्र विभाग में व्याख्यान का आयोजन

दिनांक 03.01.2025 को अर्थशास्त्र विभाग में व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजाति विश्वविद्यालय अमरकंटक से डॉ. रक्षा सिंह विभागाध्यक्ष एवं प्राध्यापक अर्थशास्त्र, मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित थीं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह ने की, प्राचार्य महोदय ने अपने उद्‌बोधन में कार्यक्रम की उपयोगिता व छात्रों की सक्रिय भागीदारी की अपेक्षा की। विभागाध्यक्ष डॉ. के. पद्मावती ने अपने स्वागत भाषण में डॉ. रक्षा सिंह का परिचय दिया। कार्यक्रम की अगली कड़ी में डॉ. अंशुमाला चंदनगर के द्वारा मुख्य अतिथि का स्वागत किया गया।

डॉ. रक्षा सिंह ने ई-कॉमर्स त्वरित वाणिज्य के विषय पर विस्तार से चर्चा की। बिलकिंट को कम समय में मार्केट (ऑन लाइन सर्विस) में जगह बनाने में मिली सफलता पर चर्चा की। सेवा कम्पनियों की आर्थिक रणनीति पर चर्चा करते हुए रेडबस जेप्टो आदि के उदाहरण दिए जिससे विषय बेहद रोचक एवं व्यवहारिक हो गया। वर्तमान समय में सेवा कम्पनियां समय की बचत, कम लागत व दूरी आदि के साथ व्यापार की मात्रा को बढ़ाने में प्रयासरत हैं।

कार्यक्रम में डॉ. जिज्ञासा पांडे, तरूण कुमार साहू , मनीषा भीमते, चांदनी मंडले एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. नीता मिश्रा एवं आभार प्रदर्शन अर्थशास्त्र परिषद के अध्यक्ष एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र हर्ष कुमार नायर ने किया।

## भूगर्भशास्त्र एवं भूगोल विभाग द्वारा 7 दिवसीय कार्यशाला

प्रश्न पूछना अच्छे विद्यार्थी का परिचायक - प्रशांत कविश्वर

दिनांक 06.01.2025 को महाविद्यालय में भूगर्भशास्त्र एवं भूगोल विभाग द्वारा 7 दिवसीय कार्यशाला का उद्‌घाटन किया गया ।

प्रश्न पूछना अच्छे विद्यार्थी का परिचायक है, जब तक हम प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासा का समाधान नही करेगें तब तक किसी भी विद्यार्थी का विकास संभव नही है। ये विचार छत्तीसगढ़ कौसिंल ऑफ साईंस एण्ड टेक्नालॉजी के वरिष्ठ वैज्ञानिक श्री प्रशांत कविश्वर ने महाविद्यालय में व्यक्त किये। श्री कविश्वर ने महाविद्यालय के भूगोल एवं भूविज्ञान विभाग द्वारा संयुक्त रूप से रिमोट सेंसिंग एवं जी.आई.एस. पर आयोजित सात दिवसीय कार्यशाला में रिसोर्स पर्सन के रूप में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। महाविद्यालय के स्वामी विवेकानंद ऑडियो विजुअल हॉल में आयोजित इस कार्यशाला में श्री कविश्वर ने सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक दोनों प्रकार का प्रशिक्षण बड़ी संख्या में उपस्थित विद्यार्थियों को दिया। हवाई छायाचित्र एवं सेटेलाइट इमेजरी के मध्य अंतर स्पष्ट करते हुये, उन्होंने बताया कि हवाई छायाचित्र डायरेक्ट फोटोग्राफ होता है, जबकि सेटेलाईट इमेजरी में पृथ्वी की सतह पर उपस्थित विभिन्न ऑब्जेक्ट द्वारा सूर्य के परावर्तित प्रकाश के आधार पर इमेजरी तैयार की जाती है। श्री कविश्वर के व्याख्यान के दौरान अनेक छात्र-छात्राओं ने प्रश्न पूछे जिनका श्री कविश्वर ने समाधान किया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह ने अपने संबोधन में कार्यशाला को विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी बताते हुये कहा कि कार्यशाला में ऐसे विषयों का समावेश किया गया है, जिनसे एम.ए. एवं एम.एससी के छात्र-छात्राओं को अपने पाठ्यक्रम को समझने में मदद मिलेगी। डॉ. सिंह ने अन्य विभागों से भी इस प्रकार के सारगर्भित आयोजन करने का आग्रह किया। सरस्वती पूजन के साथ आंरभ हुये इस कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में भूविज्ञान के सहायक प्राध्यापक डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव ने कार्यशाला के महत्व एवं उसमें विचार किये जाने वाले बिंदुओं की विस्तार से जानकारी दी। भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार मिश्रा ने अपने स्वागत भाषण में भूविज्ञान एवं भूगोल को पूरक विषय बताते हुये कहा कि इस कार्यशाला से विद्यार्थियों को सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण प्राप्त होगा, इसका सीधा लाभ उन्हें आगामी सेमेस्टर परीक्षाओं में प्राप्त होगा। कार्यशाला में भूगोल विभाग के सहायक प्राध्यापक श्री प्रशांत दुबे समस्त अतिथि प्राध्यापक एवं भूविज्ञान विभाग के अतिथि प्राध्यापक डॉ. विकास स्वर्णकार एवं इन्द्रजीत साकेत सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

# अंग्रेजी विभाग द्वारा 'संचार कौशल' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

अंग्रेजी विभाग द्वारा 20 जनवरी 2025 को 'संचार कौशल'_ विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन रूसा 2.0 के अंतर्गत किया गया। कार्यक्रम संचार कौशल सत्र के अतिथि व्याख्याता व मुख्य वक्ता डॉ. रविशंकर पणिकर प्राचार्य बी.आई.टी कॉलेज ऑफ कॉमर्स आर्ट एण्ड साईंस रायपुर द्वारा कार्यशाला का संचालन किया गया। इस सत्र का उद्देश्य स्नातक व स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को व्यवसायिक व व्यवहारिक भाषा कौशल द्वारा व्यक्तित्व विकास से परिचित कराना व उनकी महत्ता पर प्रकाश डालना था, जिससे विद्यार्थी अपने कार्यस्थल व अपने व्यक्तित्व पर इन दक्षताओं का उपयोग भली-भांति कर सकें। कार्यशाला का आयोजन माननीय प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह के मागर्दशन में संपन्न हुआ ।

कार्यशाला का संयोजन डॉ. मीना मान तथा डॉ. राजश्री नायडू ने किया। सत्र का प्रारंभ सर्वप्रथम मां सरस्वती की वंदना से किया गया। सर्वप्रथम विभागाध्यक्ष डॉ. मर्सी जॉर्ज ने अपने स्वागत भाषण से समस्त संकायों के छात्रों से आह्वान किया कि वे इस सत्र का भरपूर लाभ उठायें व विद्वान वक्ता के द्वारा दिए जाने वाले निर्देशों का अनुपालन करें। स्वागत भाषण के पश्चात् अंग्रेजी की एम.ए. द्वितीय वर्ष की छात्रा यू. सौम्या रेड्डी ने अतिथि वक्ता का संक्षिप्त परिचय दिया। सत्र की शुरूआत डॉ. रविशंकर पणिकर ने कुछ मजेदार तथ्यों व वाक्यों के साथ किया। उच्चारण दोषों पर प्रकाश डालते हुए महत्वपूर्ण भाषा शैली व संवाद को कुछ तस्वीरों व दृश्य श्रव्य माध्यमों उनके द्वारा रोचक तरीकों से प्रस्तुत किया गया। सत्र के मध्य कुछ प्रश्नावली उन्होंने छात्रों व शिक्षकों को प्रदान की तथा अपनी रूचि अनुसार रिक्त स्थानों को भरने को कहा। शब्द, भाव, अर्थ व व्यवस्थापन का खूबसूरत समायोजन करने की कला का भी प्रशिक्षण दिया गया।

अंग्रेजी विभाग की वरिष्ठ व्याख्याता डॉ. निगार अहमद, डॉ. तरलोचन कौर, डॉ. सीमा पंजवानी, डॉ. मोनिका शर्मा, श्री कुंदन यादव सहित वाणिज्य विभाग से डॉ. लाली शर्मा, डॉ. प्रदीप जांगड़े तथा संस्कृत विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. जनेन्द्र दीवान सहित बड़ी संख्या में विभिन्न संकायों के विद्यार्थी उपस्थित रहें तथा बहुत सहजता व संजीदगी से संचार कौशल विषय पर रचनात्मक कार्यशाला संपन्न हुई, उसका आनंद सभी ने उठाया व लाभान्वित हुए।

कार्यक्रम के अंत में मुख्य वक्ता द्वारा विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र देकर प्रोत्साहित किया गया। विभाग की ओर से विभागाध्यक्ष डॉ. मर्सी जॉर्ज द्वारा मुख्य वक्ता डॉ. रविशंकर पणिकर को प्रशंसा पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन एम.ए. अंग्रेजी द्वितीय वर्ष की छात्रा सुगंधा सक्सेना द्वारा किया गया तथा वरिष्ठ व्याख्याता डॉ. निगार अहमद द्वारा कार्यक्रम की सफलता पर आर्शीवचन दिया गया एवं हर्ष साहू एम.ए. अंग्रेजी द्वितीय वर्ष के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यशाला का समापन हुआ।

**हेमचंद यादव वि.वि. के खोखो टीम में महाविद्यालय के पाँच खिलाड़ी शामिल रहे, जिसका आयोजन ईस्ट जोन प्रतियोगिता उड़ीसा विद्यालय द्वारा की गई, जिसमें सिल्वर मैडल प्राप्त कर ऑल इंडिया के लिए कॉलीफाई किया।**

# छ.ग. युवा महोत्सव 2025 में साईंस कॉलेज, दुर्ग द्वारा वर्किंग एवं स्टेटिक मॉडल का प्रदर्शन

छ.ग. राज्य शासन के खेल एवं युवा कल्याण द्वारा 12-14 जनवरी 2025 को तीन दिवसीय छ.ग. युवा महोत्सव का आयोजन साईंस कॉलेज ग्राउंड, रायपुर में किया गया था, जिसमें शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग के रसायन, भौतिकी एवं माइक्रोबायलॉजी विभाग द्वारा वर्किंग एवं स्टेटिक मॉडल का प्रदर्शन एवं महाविद्यालय में निर्मित बायो उर्वरक माइक्रोराइजा का प्रदर्शन एवं विक्रय किया गया।

रसायन विभाग द्वारा गोमूत्र के उपयोग द्वारा विषाक्त रंजकों युक्त जल के शुद्धिकरण एवं उपयोग हेतु जल में परिवर्तन कर जल संरक्षण पर मॉडल प्रस्तुत किया गया। भौतिक शास्त्र विभाग द्वारा स्मार्ट जीवन हेतु आईओटी आधारित गृह उपयोगी स्वचलित तंत्र का मॉडल प्रस्तुत किया गया, साथ ही सौर ऊर्जा से चलने वाले कीट ट्रैपर एवं आल्ट्रा सोनिक स्पर्श रहित प्रकाश नियंत्रण दर्शाने वाला मॉडल भी प्रस्तुत किया गया।

माइक्रोबॉयोलाजी विभाग द्वारा पैदावार बढ़ाने के लिये उपयोगी तत्व के अवशोषण में वृद्धि करने वाले जैव उर्वरकों का प्रदर्शन एवं विक्रय का स्टॉल लगाया गया एवं इसकी विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही तेल अपशिष्टों के उपचार में सूक्ष्मजीवों की भूमिका से संबंधित मॉडल प्रदर्शित किया। उच्चशिक्षा विभाग के अंतर्गत लगाये गये स्टॉल में महाविद्यालय के एम.एस-सी. द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। राज्योत्सव के तीनों दिन विद्यार्थियों ने स्वनिर्मित जैव उर्वरकों की जानकारी दी।

युवा महोत्सव के अंतिम दिन छ.ग. राज्य के राज्यपाल श्री रमेन डेका ने स्टॉल का निरीक्षण किया एवं विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। राज्योत्सव में कुल 23 विद्यार्थियों एवं 6 सहायक प्राध्यापकों ने सहयोग प्रदान किया। महाविद्यालय द्वारा युवा महोत्सव में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह एवं नोडल अधिकारी डॉ. प्रज्ञा कुलकर्णी ने किया।

महाविद्यालय में फैकल्टी डेव्हलपमेंट प्रोग्राम आयोजित

# मूक्स, के-डिजाइनिंग डेव्हलपिंग एवं डिलिवरी उच्चशिक्षा में वर्तमान समय की आवश्यकता

मूक्स, के-डिजाइनिंग डेव्हलपिंग एवं डिलिवरी उच्चशिक्षा में वर्तमान समय की आवश्यकता है, इसके अंतर्गत विद्यार्थी एवं प्राध्यापक दोनों डिजिटल लर्निंग तथा नवीनतम आरटी फिशियल इंटेलिजेंस से संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकते है। ये विचार महाविद्यालय के आईक्यूएसी प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित 7 दिवसीय फैकल्टी डेव्हलपमेंट प्रोग्राम में देश के विभिन्न हिस्सों से आए विशेषज्ञों ने व्यक्त किये। यह जानकारी देते हुए प्रोग्राम के आयोजन सचिव डॉ. प्रज्ञा कुलकर्णी एवं डॉ. सुनीता मैथ्यू ने संयुक्त रूप से बताया कि महाविद्यालय के नये भवन में स्थित कम्प्यूटर प्रयोगशाला में आयोजित इस कार्यशाला की संयोजक डॉ. जगजीत कौर सलूजा थी, जबकि आयोजन समिति के सदस्य के रूप में डॉ. तरलोचन कौर, डॉ. संजू सिन्हा, डॉ. अभिषेक मिश्रा तथा डॉ. कुसुमांजलि देशमुख ने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह ने इस फैकल्टी डेव्हलपमेंट प्रोग्राम को विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों के हित में मील का पत्थर निरूपित करते हुए कहा कि यूजीसी की दिशा निर्देशानुसार विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन के साथ-साथ मूक एवं स्वयं जैसे ऑनलाईन प्लेटफॉर्म में उपलब्ध लघु अवधि के कोर्स में प्रवेश लेकर प्रमाण पत्र प्राप्त करना चाहिये । इन कोर्स के प्राप्त क्रेडिट को विद्यार्थियों के नियमित क्रेडिट कोर्स में शामिल करने का प्रावधान भी राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में है।

डॉ. प्रज्ञा कुलकर्णी के अनुसार प्रोग्राम के प्रथम दिन नई दिल्ली के राष्ट्रीय समन्वयक, मूक्स एवं प्रमुख आईसीटी एवं परियोजना प्रबंधन एनआईईपीए नई दिल्ली के डॉ. के. श्रीनिवास ने सभी प्रतिभागियों को मूक्स प्लेटफॉर्म जैसे स्वयं, ई-पीजी पाठशाला, गूगल क्लास रूम तथा ओपन लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम की मूलभूत जानकारी प्रदान की। उन्होंने पाठ्यक्रम डिजाइन का भी प्रशिक्षण दिया। ये आईटूल्स के उपयोग पर भी डॉ. श्रीनिवास ने विस्तार से चर्चा की। प्रतिभागियों ने अनेक प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासा का समाधान किया। फैकल्टी डेव्हलपमेंट प्रोग्राम के दूसरे दिन डॉ. बी.आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के सिस्टम प्रशासक और आईसीटी प्रमुख डॉ. दीपक बिसला ने विभिन्न के. आई. टूल्स इमेज जमेनी, वन शॉट तथा गूगल एआई स्टूडियो का प्रदर्शन करते हुए विडियो एडिटर तथा कंटेंट डिटेक्षन टूल की रोचक जानकारी दी। संयोजक डॉ. जगजीत कौर सलूजा के अनुसार तीसरे दिन शासकीय कन्या पॉलीटेक्निक महाविद्यालय, रायपुर के प्राचार्य डॉ. पीयूष लोटिया ने चैट जीपीटी के अनुप्रयोग एवं उसकी महता से संबंधित जानकारी देते हुए विभिन्न एआई प्लेटफॉर्म का प्रभावी उपयोग की जानकारी दी। उन्होंने इमेज, विडियो तथा पाठ्यक्रम संरचना डिजाईन का प्रशिक्षण भी दिया। चतुर्थ दिन पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर के डॉ. विनोद पटले ने मूडल पर व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया जिसमें लॉगिन प्रक्रिया, पाठ्यक्रम निर्माण तथा लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम के उपयोग की जानकारी शामिल थी। पांचवे दिन एसएसटीसी भिलाई के श्री राजेश्वर देवांगन ने कम्प्यूटर पर कोरल ड्रा के उपयोग पर व्यवहारिक सत्र आयोजित किया सभी प्रतिभागियों में इस साप्टवेयर को इन्ट्राल कर चित्र का निर्माण सीखा। उन्होंने स्टिकर्स एवं ट्रांजिशन का भी प्रशिक्षण दिया। आयोजन सचिव डॉ. सुनीता मैथ्यू के अनुसार छठवें दिन शा. पॉलीटेक्निक कॉलेज, कोण्डागांव के डॉ. साजीटी चाको ने मूक्स निर्माण में अपनी यात्रा, प्रेरणा, चुनौतियां और समाधान विषय पर सारगर्भित व्याख्यान दिया। सीएसवीटीयू भिलाई के डॉ. अमित एस. राजपूत ने ऑडियो एवं विडियो एडिटिंग की व्यवहारिक जानकारी दी। कार्यशाला के माध्यम से प्रतिभागियों को डिजिटल उपकरणों और ए.आई. आधारित शिक्षण पद्धति की जानकारी दी गयी। इस फैकल्टी डेव्हपमपेंट प्रोग्राम में 50 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया।

# हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग द्वारा साईंस कॉलेज, दुर्ग में ऑल इंडिया सर्वे ऑफ हायर एजुकेशन की कार्यशाला आयोजित

महाविद्यालय द्वारा प्रेषित आंकड़ों पर ही उच्चशिक्षा की दशा एवं दिशा निर्धारित होती है। अतः महाविद्यालयों को ऑल इंडिया सर्वे ऑफहायर एजुकेशन के सर्वे प्रोफार्मा को भरते समय विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। ये विचार हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग के कुलपति एवं संभागायुक्त, दुर्ग श्री सत्य नारायण राठौर ने दिनांक 24.01.2025 को राधाकृष्णन सभागार में लगभग 150 से अधिक महाविद्यालयों के प्राचार्य तथा नोडल अधिकारियों को संबोधित करते हुए व्यक्त किये।

**महाविद्यालय द्वारा प्रेषित आंकड़ों पर ही उच्चशिक्षा की दशा एवं दिशा होती है निर्धारित - कुलपति राठौर**

श्री राठौर ने कहा कि ऑल इंडिया सर्वे ऑफहायर एजुकेशन के डीसीएस फार्मेट को भरने के दौरान छात्र संख्या, प्राध्यापकों की संख्या तथा परीक्षा परिणाम के आंकड़े भरने में विशेष सावधानी की आवश्यकता इसलिए है क्योंकि इसी के आधार पर छात्र-छात्राओं को विभिन्न श्रेणियों के छात्रवृत्तियों की राशि एवं संख्या का निर्धारण सरकार करती है। सरस्वती पूजन के साथ आरंभ हुई कार्यशाला में संचालक साईंस कालेज, दुर्ग के सहायक प्राध्यापक डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव ने कार्यशाला की प्रासंगिकता एवं उससे होने वाले लाभ पर विस्तार से प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री भूपेन्द्र कुलदीप ने अपने संबोधन में विभिन्न महाविद्यालयों से आए प्रतिभागियों को धन्यवाद देते हुए कहा कि डीसीएफफार्मेट में किस तिथि की जानकारी प्रदान करनी है। यह जानना महत्वपूर्ण है। श्री कुलदीप ने बताया कि इस वर्ष जो जानकारी भरी जायेगी, वह पिछले समाप्त हुये अकादमिक वर्ष अर्थात् 2023-24 की होगी। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह ने हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग द्वारा आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला को आवश्यक बताते हुए कहा कि गतवर्ष कुछ महाविद्यालयों ने डी.सी.एफ. फार्मेट नहीं भरा था, जिसके कारण हमारे छत्तीसगढ़ का जी.ई.आर. घट गया था। इस वर्ष समस्त महाविद्यालय बहुत ही ध्यानपूर्वक इस जानकारी कि प्रविष्टि करें। उद्घाटन समारोह के अंत में धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय के नोडल अधिकारी श्री हिमांशु शेखर मंडावी ने किया।

कार्यशाला के रिसोर्स पर्सन शासकीय आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम मॉडल कॉलेज, धनोरा के सहायक प्राध्यापक श्री विकास पंचाक्षरी ने लगभग 2 घंटे अवधि का पावर प्वाइंट प्रस्तुतिकरण किया अपने प्रस्तुतिकरण के दौरान श्री पंचाक्षरी ने डीसीएफफार्मेट को प्रारंभ से लेकर अंत तक भरे जाने की विस्तार से जानकारी दी। श्री पंचाक्षरी ने 150 से अधिक महाविद्यालयों के प्राध्यापक प्रतिभागियों के प्रश्नों के उत्तर भी दिए। उन्होंने बताया कि वर्तमान में भरे जाने वाले फार्मेट में विद्यार्थियों की प्रवेश संख्या तथा परीक्षा परिणाम की सत्र 2023-24 की प्रविष्टि करनी है। प्राध्यापकों के आंकड़ों को 31 दिसम्बर 2023 की स्थिति में प्रदर्शित किया जाना है। श्री पंचाक्षरी के अनुसार वर्तमान में हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग से सम्बद्ध 160 महाविद्यालयों में से लगभग 50 प्रतिशत से अधिक महाविद्यालयों ने डीसीएफफार्म भर लिया है। शीघ्र ही समस्त महाविद्यालयों द्वारा इसे भरे जाने का श्री पंचाक्षरी ने प्रतिभागी प्राध्यापकों से अनुरोध किया।

# अर्थशास्त्र विभाग द्वारा ABIS उद्योग समूह का शैक्षणिक भ्रमण

आठ उद्य ोग समूह भारत के औद्योगिक विकास का हिस्सा है। कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, इस्पात, सीमेंट, बिजली । इसी तरह अर्थशास्त्र विभाग द्वारा दिनांक 21.01.25 को शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन को किया गया। जिसमें आईबी ग्रुप के कार्पोरेट ऑफिस में महाविद्यालय के शैक्षणिक समूह को ब्रीफिंग दी गयी, जिसमें श्री चन्द्राकर ने ABIS उद्योग समूह के विषय में विस्तृत जानकारी दी। । ABIS के द्वारा किए जाने वाले उत्पादों का विवरण प्रस्तुत किया। यह समूह चिकन उत्पादन में भारत में प्रथम स्थान पर है तथा यह समूह अपने उत्पादों की क्वालिटी को बनाये रखने के लिए मुर्गियों, झींगा एवं मछलियों के लिये उच्च गुणवत्ता वाली आहार का उत्पादन स्वयं करती है। समूह को प्राप्त होने वाली आय का 70 प्रतिशत भाग चिकन उत्पादन से प्राप्त होता है, इसके अलावा यह कंपनी महाराष्ट्र, गुजरात में अपने फर्म तथा कृषि फर्म का संचालन करती है। कंपनियों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने रूचि लेकर फर्म का भ्रमण करवाया तथा छात्रों की जिज्ञासाओं को शांत किया। छात्रों ने स्टिम ब्रायलर, आर. ओ. प्लांट, रिफाइनरी प्लांट एवं पैकेजिंग की प्रक्रिया को ध्यानपूर्वक समझा तथा इनसे संबंधित प्रश्न भी किये। इस भ्रमण का आयोजन डॉ. के. पद्मावती के मार्गदर्शन में किया गया तथा इतिहास विभाग के श्रीराम किशोर भी उपस्थित रहे।

विभाग के द्वारा धनीराम साहू शासकीय किसान हायर सेकेण्डरी स्कूल, अर्जुनी जिला राजनांदगांव में विस्तार गतिविधि कार्यक्रम विभाग द्वारा किया गया। जिनमें महाविद्यालय के एम.ए. द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों के द्वारा विद्यालय में कई गतिविधियां तथा अर्थशास्त्र में करियर की संभावना, स्वास्थ्य व सुरक्षा, प्रश्नोत्तरी, पोस्टर प्रतियोगिता, छत्तीसगढ़ी लोक नृत्य एवं संक्षिप्त कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। विजेता छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत भी किया गया। इस आयोजन में विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती विभा पाण्डेय एवं व्याख्याता सोनकर जी का विशेष सहयोग रहा।

स्कूल की प्राचार्य महोदया ने महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ए.के. सिंह एवं विभागाध्यक्ष डॉ. के. पद्मावती को इस आयोजनों के लिए धन्यवाद दिया एवं पुनः इस तरह के आयोजन का आग्रह किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. के. पद्मावती ने किया ।

# बी.ए. प्रथम वर्ष में अध्ययनरत खिलाड़ी छात्र आकाश सिंग मिस्टर एशिया के लिए चयनित

# मनोविज्ञान विभाग द्वारा Projective Test मेज रोर्षा स्याही परीक्षण एवं TAT विषय पर कार्यशाला का आयोजन

दिनांक 22.02.2025 महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह के मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन से मनोविज्ञान विभाग द्वारा 17.02.25 से 22.02.25 तक एक सप्ताह का Projective Test मेज रोर्षा स्याही परीक्षण एवं TAT विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया है। उक्त कार्यशाला का शुभारंभ डॉ. अजय कुमार सिंह प्राचार्य की अध्यक्षता एवं डॉ. राजेश पाण्डेय अपर संचालक उच्चशिक्षा दुर्ग संभाग की मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ (रिसोर्स पर्सन) डॉ. उषा किरण अग्रवाल प्राचार्य शासकीय चंदूलाल चन्द्राकर महाविद्यालय धमधा ने हर्मन रोर्षा स्याही धब्बा परीक्षण के माध्यम से व्यक्तित्व संरचना के ज्ञानात्मक क्रियात्मक एवं भावात्मक पहलुओं के मूल्यांकन के संबंध में सुविस्तार पूर्वक एवं प्रभावपूर्ण तरीके से उपस्थित विद्यार्थियों को जानकारी दी गई।

डॉ. संजय भारद्वाज मनोवैज्ञानिक द्वारा रोर्षा स्याही परीक्षण के द्वारा सामान्य तथा नयूरोटिक व्यक्तियों के व्यक्तित्व के मूल्यांकन के संबंध में प्रभावपूर्ण तरीके से विषय की अवधारणा को स्पष्ट किया गया।

कार्यशाला का आयोजन डॉ. रचिता श्रीवास्तव विभागाध्यक्ष एवं संयोजक, डॉ. प्रतिभा शर्मा सह संयोजक व कार्यकारिणी सदस्य सुश्री पुष्पलता निर्मलकर द्वारा आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के समापन पर सम्मिलित विभिन्न महाविद्यालय के विद्यार्थियों को प्राचार्य द्वारा प्रमाण पत्र का वितरण किया गया।

कार्यशाला आज के आधुनिक जीवन शैली एवं वर्तमान सामाजिक मूल्य के लिए आवश्यक है।

# कैम्पस प्लेसमेंट में 8 विद्यार्थियों का केमिस्ट के पद पर चयन

दिनांक 17.02.2025 को कॉलेज में आयोजित कैम्पस प्लेसमेंट के अंतर्गत 8 विद्यार्थियों का चयन केमिस्ट के पद पर हुआ है। यह जानकारी देते हुए महाविद्यालय की ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल की संयोजक डॉ. पद्मावती ने बताया कि गत सप्ताह टंकेश्वरी मेंटल पाउडर पोड्क्ट्स प्रायवेट लिमिटेड द्वारा केमिस्ट के पद हेतु महाविद्यालय में कैम्पस इंटरव्यू आयोजित किया गया था, इसमें लगभग 50 से अधिक विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। विद्यार्थियों के रसायन विषय से संबंधित ज्ञान, कौशल क्षमता, संप्रेषण तथा व्यक्तित्व के आधार पर 8 विद्यार्थियों को कंपनी ने अंतिम रूप से रोजगार प्रदान करने हेतु चयनित कर लिया। चयनित विद्यार्थियों में बलराम उरांव, भागवत, धर्वेन्द्र कुमार टण्डन, लोकद्वीप मिरचन, प्रखर स्वर्णकार, सातेक मिरचन, विकास कंवर तथा दीपेन्द्र वर्मा शामिल है।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह ने ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल द्वारा किए गए प्रयास की सराहना करते हुये कहा कि आगामी 3 महीनों में अन्य कंपनियां भी महाविद्यालय के विद्यार्थियों को रोजगार प्रदान करने हेतु कैम्पस प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित करेंगी। डॉ. सिंह ने बताया कि महाविद्यालय में कैम्पस प्लेसमेंट में अधिक से अधिक विद्यार्थी सफ्ल हों, इसके लिए प्लेसमेंट सेल द्वारा विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास से संबंधित प्रशिक्षण कक्षा का संचालन महाविद्यालय के प्राध्यापकों के सहयोग से आयोजित किया जाता है। इस प्रशिक्षण से महाविद्यालय के विद्यार्थियों में आत्मविश्वास की वृद्धि होती है। महाविद्यालय के अंग्रेजी विभाग को भी निर्देशित किया गया है, कि वे विद्यार्थियों की अंग्रेजी भाषा की संप्रेषण क्षमता बढ़ाने हेतु उन्हें मार्गदर्शन देवें। इसी प्रकार विद्यार्थियों को साक्षात्कार हेतु तैयार किए जाने के उद्देश्य से राजनीति शास्त्र विभाग, समाजशास्त्र विभाग, मनोविज्ञान विभाग का भी सहयोग लिया जा रहा है। महाविद्यालय के छात्रावास में विद्यार्थियों हेतु प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित पत्र-पत्रिकाऐं भी उपलब्ध करायी जा रही है। डॉ. सिंह ने सभी विभागों से आग्रह किया कि वे अपने विषय से संबंधित संस्थानों को कैम्पस प्लेसमेंट हेतु आमंत्रित करें।

# मार्च माह में कॉलेज में हुआ वैज्ञानिकों एवं सोशल साइंटिस्ट का जमावड़ा

मार्च 2025 में विज्ञान विषयों से संबंधित राष्ट्रीय स्तर के विभिन्न वैज्ञानिकों तथा सामाजिक विज्ञान संकाय के सोशल साइंटिस्ट का जमावड़ा हुआ । यह जानकारी देते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह ने बताया कि रूसा से प्राप्त राशि के सहयोग से महाविद्यालय के स्नातकोत्तर विभागों प्राणीशास्त्र एवं रसायन शास्त्र द्वारा अंतर्राष्ट्रीय सेमीनार का आयोजन किया गया, जबकि महाविद्यालय के कला संकाय के राजनीतिशास्त्र विभाग, अर्थशास्त्र विभाग, इतिहास विभाग द्वारा राष्ट्रीय सेमीनार का आयोजन मार्च माह में किया गया। प्राचार्य डॉ. सिंह के अनुसार राजनीति शास्त्र विभाग द्वारा 03 एवं 04 मार्च को हिमालय हिन्द महासागर राष्ट्र समूह एवं भारतः सांस्कृतिक, आर्थिक, रणनीतिक संबंध एवं सम्भावनायें विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित हुई। अर्थशास्त्र विभाग द्वारा संमृद्ध भविष्य का अर्थशास्त्र विषय पर 07 एवं 08 मार्च को राष्ट्रीय सेमीनार आयोजित हुई । 05 एवं 06 मार्च को महाविद्यालय के इतिहास विभाग एवं छत्तीसगढ़ इतिहास परिषद द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित भारतीय इतिहास में जनजाति योगदान विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ ।

महाविद्यालय के प्रचार-प्रसार प्रभारी भूगर्भशास्त्र के सहायक प्राध्यापक डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव ने बताया कि रसायन शास्त्र विभाग द्वारा 05 एवं 06 मार्च को आयोजित होने वाले अंतर्राष्ट्रीय कान्फ्रेंस का विषय संधृत विकास हेतु मटेरियल साईंस रखा गया । इस अंतर्राष्ट्रीय सेमीनार में भारत के अलावा 03 देशों के रसायन शास्त्री हिस्सा लियें, इनमें दक्षिण अफ्रीका के डॉ. एस.बी. जोनलगड्डा, फिजी के डॉ. सुरेन्द्र प्रसाद, नेपाल के डॉ. रामेश्वर अधिकारी शामिल थे। भारतीय वैज्ञानिकों में आईआईटी भिलाई के डायरेक्टर डॉ. राजीव प्रकाश, सीएसआईआर भुवनेश्वर के डायरेक्टर डॉ. रामानुज नारायण शारदा विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोयडा के डॉ. एन.बी. सिंह, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नालॉजी, हैदराबाद के डॉ. सूर्य प्रकाश सिंह, नागपुर विश्वविद्यालय के डॉ. रवीन जुगाड़े, बनारस के डॉ. एन.पी. सिंह तथा बीएचयू के डॉ. ए.के. सिंह शामिल थे।

प्राणीशास्त्र विभाग द्वारा 7 एवं 8 मार्च को आयोजित होने वाले अंतर्राष्ट्रीय कान्फ्रेंस का विषय वैश्विक परिपेक्ष्य में परंपरागत ज्ञान की भूमिका रखा गया। इस कांफ्रेंस में देश-विदेश के अनेक वैज्ञानिकों ने हिस्सा लेकर जैव विविधता एवं उसका सरंक्षण वैश्विक चुनौतियां तथा परम्परागत ज्ञान जनजाति ज्ञान एवं समृद्ध विकास सुरक्षा हेतु विज्ञान जनजाति विकास हेतु राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर किए गये प्रयास आदि पर गहन विचार विमर्श किया ।

प्राचार्य डॉ. सिंह के अनुसार प्रत्येक सेमीनार अथवा संगोष्ठी में युवा वैज्ञानिकों, रिसर्च स्कॉलर तथा स्नातकोत्तर छात्र-छात्राओं को अपना शोध पत्र प्रस्तुतिकरण का अवसर प्राप्त हुआ ।

## स्किल डेव्हलपमेंट हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

महाविद्यालय के उद्यमिता विकास समिति के द्वारा महाविद्यालय के छात्रों के स्किल डेव्हलपमेंट हेतु प्रशिक्षण कार्य दिनांक 06.02.25 से 12.02.25 तक महाविद्यालय परिसर में किया गया। जिसमें महाविद्यालय के विभिन्न संकायों के छात्र-छात्राओं ने अपनी सक्रिय भागीदारी दी एवं बैज बनाने का प्रशिक्षण प्राप्त किया।

यह कार्यशाला महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह के दिशा निर्देशन एवं उद्यमिता समिति के संयोजक डॉ. राकेश तिवारी के सरंक्षण में पूर्ण हुई । महाविद्यालय के प्राचार्य ने कहा कि इस तरह की कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य महाविद्यालय के छात्रों को प्रत्येक क्षेत्र की जानकारी के साथ उनका सर्वांगीण विकास करना था।

विद्यार्थियों द्वारा निर्मित विभिन्न सामग्रियों का उपयोग महाविद्यालय में आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों में किया जाएगा, जिसमें विद्यार्थियों के उत्साहवर्धन के साथ ही साथ उनका व्यापारिक दृष्टिकोण भी सुदृढ़ होगा।

इस कार्यशाला को पूर्ण करने में महाविद्यालय के प्राध्यापकों की विशेष भूमिका रही। जिसमें डॉ. अलका मिश्रा, डॉ. प्रीति बाला चन्द्राकर, डॉ. अरून्धती खण्डेलवाल सहयोग रहा ।

# Department of Physics
## January 2025 - June 2025
# Report for college Magazine

The academic session was enriched with several meaningful academic, cultural, and outreach activities that contributed to the holistic development of our students. A team of faculty members along with M.Sc. students visited Poshak Vidhyalay, where they engaged with the schoolchildren through interactive learning sessions, demonstrations, and motivational discussions. This visit not only helped the children gain new insights but also allowed our students to understand the value of community involvement and educational responsibility. Another highlight of the year was the enthusiastic participation of our students in the Youth Festival, where they displayed exceptional talent in cultural, literary, and artistic events.

Their energetic involvement brought vibrancy to the competitions and reflected the creative spirit of our institution. In an effort to extend academic support beyond the classroom, students from a Government School were invited to our college to gain practical knowledge in Physics. They participated in hands-on experiments, observed laboratory instruments, and interacted with faculty members, which strengthened their scientific curiosity and conceptual understanding. To further enhance experiential learning, our students undertook a series of educational trips to prominent academic and research institutions. Visits to Vikram University, Ujjain; Inter-University Consortium (IUC), Indore; and various scientific establishments in Bhopal provided them with exposure to advanced laboratories, research methodologies, and expert interactions. These trips deepened their understanding of contemporary scientific practices and encouraged them to explore new areas of study.

Altogether, these activities underscored the college's commitment to nurturing academic excellence, fostering creativity, and promoting community-oriented learning, thereby shaping students into responsible, skilled, and socially aware individuals. øøøø

# राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर अनेक कार्यक्रम आयोजित

## विज्ञान का दैनिक जीवन में संधारित उपयोग आवश्यक

## - डॉ. पीयूषकांत पाण्डेय

विज्ञान का दैनिक जीवन में संधारित उपयोग आवश्यक है। विज्ञान का सदैव जीवन में रचनात्मक कार्यों में प्रयोग होना चाहिए, परंतु कुछ लोग स्वार्थ की खातिर विज्ञान का गलत उपयोग कर समाज के विरुद्ध कार्य करते हैं। हमें इनसे बचना चाहिए। ये विचार एमेटी विश्वविद्यालय, रायपुर के कुलपति डॉ. पीयूषकांत पाण्डेय ने महाविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के विजेताओं को पुरूस्कृत करते हुए व्यक्त किया। डॉ. पाण्डेय ने कहा कि इस वर्ष के विज्ञान दिवस की थीम विकसित भारत हेतु विज्ञान एवं अन्वेषण में युवाओं की भूमिका रखा गया, जो कि अत्यंत प्रासंगिक है।

डॉ. पाण्डेय ने कहा कि यह दिन हम भारतवासियों के लिये गर्व का है, क्योंकि आज हमारे भारतीय मूल के वैज्ञानिक डॉ. सीवी रमन को नोबल पुरूस्कार प्राप्त हुआ था। डॉ. पाण्डेय ने बड़ी संख्या में उपस्थित छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि विज्ञान के सिद्धांतों को रटने के स्थान पर समझने का प्रयत्न करें।

इससे पूर्व कार्यक्रम की संयोजक डॉ. जगजीत कौर सलूजा ने बताया कि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर महाविद्यालय में दो दिवसीय कार्यक्रमों की श्रृखंला आयोजित की गयी, इनमें विद्यार्थियों हेतु ग्रीन टेक्नालॉजी पर आधारित ड्राइंग प्रतियोगिता तथा विकसित भारत हेतु विज्ञान एवं अन्वेषण विषय पर क्विज प्रतियोगिता शामिल है। इन दोनों प्रतियोगिताओं में लगभग 150 से अधिक विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिताओं के द्वितीय चरण में स्नातकोत्तर विद्यार्थियों तथा शोध छात्र-छात्राओं हेतु आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में लगभग 50 से अधिक छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। इसका भी विषय विकसित भारत हेतु विज्ञान एवं अन्वेषण विषय पर मौखिक प्रस्तुतिकरण प्रतियोगिता में विभिन्न विभागों के स्नातकोत्तर एवं शोध छात्र-छात्राओं ने विज्ञान दिवस की थीम पर केन्द्रित शानदार प्रस्तुति दी।

विज्ञान दिवस के अवसर पर आईआईटी भिलाई भौतिक के विभागाध्यक्ष सुधावना पात्रा ने आमंत्रित व्याख्यान दिया। ड्राइंग प्रतियोगिता में चंचल साहू प्रथम, किंजल देवांगन एवं शशि ठाकुर द्वितीय तथा गीतांजलि ध्रुव एवं लुकेश्वरी ठाकुर तृतीय स्थान पर रहे। क्विज प्रतियोगिता में टीम बी. भास्कराचार्य प्रथम तथा टीम सी. चरक एवं टीम डी. नागार्जुन तृतीय स्थान पर रहे। इसी प्रकार टीम ई. वराह मीहीर ने 55 अंकों के साथ द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

समापन समारोह में पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रज्ञा कुलकर्णी ने किया। विज्ञान दिवस प्रतियोगिताओं के आयोजन में संयोजक के रूप में डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव, डॉ. एस.डी. देशमुख, डॉ. प्राची सिंह, डॉ. प्रज्ञा कुलकर्णी, डॉ. सुनीता बी. मैथ्यू, डॉ. अलका मिश्रा तथा सदस्य के रूप में डॉ. सीतेश्वरी चन्द्राकर, डॉ. संजू सिन्हा, डॉ. श्वेता पाण्डेय, डॉ. मोतीराम साहू, डॉ. कुसुमांजलि देशमुख, डॉ. विजय लक्ष्मी नायडू , डॉ. सतीश कुमार सेन, डॉ. सुदेश साहू, डॉ. मौसमी डे तथा डॉ. श्रीराम कुंजाम एवं समस्त अतिथि प्राध्यापकों का उल्लेखनीय योगदान रहा।

प्रतियोगिताओं में निर्णायक के रूप में डीपीएस भिलाई की डॉ. सुनीता वर्मा, डी.पी.एस. दुर्ग के श्री मोहन बराल, भिलाई महिला महाविद्यालय की डॉ. भावना पाण्डेय, बीआईटी दुर्ग के डॉ. संतोष सार तथा शासकीय महाविद्यालय, खुर्सीपार की डॉ. पूर्णिमा सेठ, शासकीय महाविद्यालय बोरी की डॉ. मीना चक्रवर्ती तथा शासकीय महाविद्यालय जामुल के प्राचार्य डॉ. आर. एस. सिंह शामिल थे।

# अर्थशास्त्र विभाग द्वारा दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमीनार आयोजित

## अर्थशास्त्र जीवन के हर प्रसंग में महत्वपूर्ण - डॉ. आर. एन. सिंह

अर्थशास्त्र, जीवन के हर प्रसंग में महत्वपूर्ण है। किसी भी संस्था अथवा परिवार के सतत् विकास लक्ष्य की प्राप्ति में अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण योगदान होता है। ये विचार भारती विश्वविद्यालय, दुर्ग के प्रो. वाइस चांसलर डॉ. आर.एन. सिंह ने महाविद्यालय में व्यक्त किये।

डॉ. सिंह महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमीनार के उदघाटन अवसर पर अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। बड़ी संख्या में उपस्थित प्राध्यापकों, शोधार्थियों को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के टैगोर हॉल में डॉ. सिंह ने कहा कि अर्थशास्त्र के प्रत्येक विद्यार्थी को गहनता से अपना अध्ययन करना चाहिए, क्योंकि अर्थशास्त्र ऐसा विषय है, जिसमें किसी भी योजना की लागत जुड़ी हुई रहती है, हमारी छोटी सी गलती किसी भी योजना को सफल अथवा असफल बना सकती है। सेमीनार के मुख्य वक्ता छत्तीसगढ़ आर्थिक विकास परिषद के सचिव एवं पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर के अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रवीन्द्र के. ब्रम्हे ने सतत् विकास का लक्ष्य 2030 की चर्चा करते हुए कहा कि मानव विकास और सामाजिक विकास का एक-दूसरे से गहरा संबंध है। डॉ. ब्रम्हे के आमंत्रित व्याख्यान की सभी प्रतिभागियों ने प्रशंसा की।

डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर मध्य प्रदेश के अर्थशास्त्र के विभागाध्यक्ष प्रो. उत्सव आनंद ने विशिष्ट अतिथि के रूप में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि धारणीय भविष्य का अर्थशास्त्र अत्यंत महत्वपूर्ण है। अतः हम सभी को इस पर गहन विचार विमर्श करना चाहिए। डॉ. आनंद ने अर्थशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सेमीनार की सराहना की। नागपुर के आर.टी.एम. विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. समीत लक्ष्मण मोहरे ने सतत् विकास एवं पर्यावरण के पारस्परिक संबंध पर प्रकाश डाला। उन्होंने कार्बनिक खाद और जीवन स्तर तथा हरित क्रांति का विस्तार से वर्णन किया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में सतत् विकास की अवधारणा की व्याख्या की। डॉ. सिंह ने भारत एवं अन्य देशों के समृद्ध विकास हेतु निर्धारित 17 लक्ष्यों की भी चर्चा की।

कार्यक्रम की समन्वयक अर्थशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. के. पद्मावती ने स्वागत भाषण में सेमीनार की महत्ता पर प्रकाश डाला।

इस सेमीनार के आयोजन में आयोजन सचिव डॉ. अंशुमाला चन्दनगर तथा विभाग के अतिथि सहायक प्राध्यापक डॉ. नीता मिश्रा, डॉ. जिज्ञासा पाण्डेय, डॉ. वंदना कश्यप रिसर्च स्कॉलर तथा स्नातकोत्तर छात्र-छात्राओं का उल्लेखनीय योगदान रहा। सेमीनार में छत्तीसगढ़ के विभिन्न महाविद्यालयों के प्राध्यापक एवं शोध छात्र बड़ी संख्या में शामिल हुये।

# लक्ष्य इनफोसिस फाउण्डेशन बंगलौर के मध्य एमओयू प्रदर्शन

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह के मार्गदर्शन में रोजगार के लिये महाविद्यालय एवं लक्ष्य इनफोसिस फाउण्डेशन बंगलौर के मध्य एमओयू हुआ लक्ष्य फाउण्डेशन एक बहुप्रतिष्ठित कंपनी है, जो स्नातक एवं स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए स्किल डेव्हलपमेंट कोर्स आर्गेनाइज कराती है, जिनमें विद्यार्थियों को अलग-अलग कोर्स के आधार पर 10 से 15 दिनों तक ट्रेनिंग दिया जायेगा एवं ट्रेनिंग पूरी करने के बाद उन्हें सर्टिफिक्रेट दिया जायेगा, जो विभिन्न कंपनी जैसे कि टेक्नो टॉक्स बैकिंग, सेक्टर्स, कॉल सेंटर में रोजगार के अवसर प्रदान करेगा। इसमें प्रमुखतः इंग्लिश लैग्वेज, आरटीफिशियल इंटेलीजेंसी, रिजूम राइटिंग, इंटरव्यू स्किल्स आदि विषयों पर ट्रेनिंग दी जायेगी। यह ट्रेनिंग विद्यार्थियों की संख्या पर निर्भर करता है, जो साल में 3-4 बार हो सकता है। यह विद्यार्थियों के हित में रहेगा। एमओयू के समय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह एवं फाउण्डेशन बंगलूरू की ओर से प्रोजेक्ट मैनेजर प्रभुजीत कौर और प्लेसमेंट मैनेजर श्री हिमांशु साहू एवं प्लेसमेंट से डॉ. अलका मिश्रा की उपस्थिति में एग्रीमेंट साइन किया गया। साईंस कालेज में भूतपूर्व विद्यार्थियों द्वारा अनुकरणीय पहल है ।

# कॉलेज में भूगर्भशास्त्र विभाग द्वारा रेन वॉटर हार्वेस्टिंग पर कार्यशाला आयोजित

## भूजल संवर्धन हम सबका नैतिक दायित्व

भूजल संवर्धन हम सबका नैतिक दायित्व है। यह हमारे आने वाली पीढ़ियों के लिए एक उपहार होगा। हममें से प्रत्येक व्यक्ति को भूजल संवर्धन हेतु अपने-अपने स्तर पर प्रयास करना चाहिए। यह निष्कर्ष महाविद्यालय के भूगर्भशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय रेन वॉटर हार्वेस्टिंग कार्यशाला में निकलकर सामने आया। महाविद्यालय के भूगर्भशास्त्र के सहायक प्राध्यापक डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव ने बताया कि स्वामी विवेकानंद ऑडियो-विजुअल हॉल में लगभग 200 विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों की उपस्थिति में आमंत्रित वक्ताओं ने स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं के भूविज्ञान एवं भूगोल विभाग के विद्यार्थियों को रेन वॉटर हार्वेस्टिंग की महत्ता एवं बारीकियों से अवगत कराया।

डॉ. श्रीवास्तव ने बताया कि महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित इस दो दिवसीय कार्यशाला के आयोजन का मुख्य उद्देश्य भूविज्ञान के बी.एससी छठवें सेमेस्टर के विद्यार्थियों द्वारा किए जाने वाले इन्टर्नशिप प्रोजेक्ट हेतु जानकारी एवं मार्गदर्शन प्रदान करना था। प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह ने कार्यशाला को विद्यार्थियों हेतु अत्यंत उपयोगी बताया। भूगर्भशास्त्र के विभागाध्यक्ष डॉ. एस.डी.देशमुख ने रेनवॉटर हार्वेस्टिंग की वर्तमान समय में आवश्यकता पर प्रकाश डाला। डॉ. देशमुख ने सभी आमंत्रित वक्ताओं को पौधा भेंटकर स्वागत किया। भूगोल के विभागाध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार मिश्रा ने धन्यवाद ज्ञापन के दौरान कहा कि यह कार्यशाला विद्यार्थियों के ज्ञान में वृद्धि हेतु मील का पत्थर साबित होगी।

डॉ. देशमुख के अनुसार प्रथम आमंत्रित व्याख्यान में रायपुर के भूजलविद श्री विपिन दुबे ने रेन वॉटर हार्वेस्टिंग प्रणाली को स्थापित करने की विभिन्न विधियों तथा उपयोग में लाये जाने वाले विभिन्न फिल्टर तथा अन्य सावधानियों की विस्तार से जानकारी दी। विद्यार्थियों ने अनेक प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासा का समाधान किया। द्वितीय व्याख्यान में रायपुर के पाणिग्राही कसंल्टेंट समूह के प्रधान डॉ. कुण्डलेश्वर पाणिग्राही ने विद्यार्थियों को रेनवॉटर हार्वेस्टिंग के छत्तीसगढ़ में स्थापित विभिन्न जगहों की प्रणाली को पावर प्वाइंट प्रजेटेंशन के माध्यम से प्रस्तुत किया।

डॉ. पाणिग्राही ने बताया कि कभी भी प्रदूशित जल को रेन वॉटर हार्वेस्टिंग हेतु प्रयोग न करें। वर्कशॉप के दूसरे दिन भिलाई के भूजल विद तुलेश्वर ने अपने प्रस्तुतिकरण में बताया कि भूविज्ञान विभाग द्वारा शासकीय महाविद्यालय, रिसाली तथा शासकीय महाविद्यालय, जामगांव आर महाविद्यालय प्रांगण में स्थापित रेन वॉटर हार्वेस्टिंग प्रणाली कैसे कार्य करती है। आमंत्रित वक्ता श्री देवव्रत ने कहा कि बारिश के पानी को भूजल में प्रेषित करने के पूर्व उसे फिल्टर से गुजारना आवश्यक है।

तृतीय आमंत्रित वक्ता श्री मोहनीश पाण्डेय ने कहा कि प्रकृति स्वयं एक फिल्टर का कार्य करती है। हमें रेन वॉटर हार्वेस्टिंग प्रणाली में साईज के हिसाब से बोल्डर, चार कोल, महीन रेत, फिटकरी तथा वायर की जाली का सावधानी पूर्वक उपयोग करना चाहिए। इस वर्कशॉप के आयोजन में भूगोल विभाग के समस्त अतिथि सहायक प्राध्यापक तथा भूविज्ञान के डॉ. विकास स्वर्णकार एवं डॉ. इन्द्रजीत साकेत का उल्लेखनीय योगदान रहा।

# कॉलेज के गणित विभाग में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन

महाविद्यालय के गणित विभाग में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी एम.एस-सी. गणित के द्वितीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने इस कार्यक्रम के आयोजन की जिम्मेदारी ली। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए पोस्टर, कविता वाचन और क्विज प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ, जिसमें गणित के अतिरिक्त सभी विषय के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. उषा साहू, डॉ. अनुपमा कश्यप एवं डॉ. विजय लक्ष्मी नायडू ने प्रतियोगिताओं में निर्णायक की भूमिका निभायी। प्रत्येक प्रतियोगिता में 3-3 पुरस्कार प्रदान किये गये। विशेष बात यह रही है कि इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि इसी महाविद्यालय की पूर्व छात्रा कु. सीमा सिन्हा थी। वे एक ऐसे एनजीओ में काम करती है, जो महिला उत्पीड़न के खिलाफ महिलाओं को जागरूक करने के लिए तत्पर रहती है। सीमा ने अपने उद्‌बोधन में अपने एनजीओ की गतिविधियों से परिचित कराया। उन्होंने यह भी कहा कि गणित में एम.एस-सी. करने के बाद यह रास्ता चुना है, क्योंकि उन्हें यह समझ में आया कि विद्यार्थी, जिस विषय में पढ़ाई करता है, उसी विषय को अपनी आजीविका बनाये, उसी विषय में काम करें, यह आवश्यक नहीं है। ईश्वर ने भी हमारे लिए कुछ सोच कर रखा है, वही हमारे लिए सर्वोत्तम होता है। यदि हम ईश्वर की इच्छा में अपनी इच्छा मिला दें तो हमें सफलता से कोई नहीं रोक सकता। अपने अध्यक्षीय भाषण में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि हमारे देश के उच्च पदों में आजकल महिलाओं की उपस्थिति है। हमारे देश के सर्वोच्च पद, राष्ट्रपति पद पर भी महिला श्रीमती द्रौपदी मुर्मू आसीन हैं। अपने उद्‌बोधन में विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. पद्मावती ने आजकल की महत्वाकांक्षा में विद्यार्थियों द्वारा आत्महत्या के लिए उठाये गये कदम पर प्रकाश डाला। विभाग के डॉ. राकेश तिवारी ने कहा कि घर में अगर भाई, पिता, पति कुछ कहते हैं तो जमाने को समझकर कहते है, इसे लड़किया अन्यथा न लें और सोचें कि पुरुष रूपी आधी आबादी इस विषय पर क्या सोचती है। समाज में महिलाओं की स्थिति न पहले खराब थी और न ही अब खराब है, बीच में एक आक्रांताओं का समय था, जिसके कारण हमारे समाज में रूढ़िया पैदा हुई हैं। रसायन विभाग की डॉ. अनुपमा कश्यप ने मौसम और भौगोलिक स्थिति के अनुसार कपड़े पहनने की उपयोगिता पर बल दिया। कार्यक्रम में कई विभाग के विद्यार्थियों ने प्रतियोगिता के अतिरिक्त अपने विचार कविता वाचन, गीत गायन और भाषण के द्वारा प्रस्तुत किए। एम.एससी गणित के विद्यार्थियों द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कार्यक्रम की आयोजन सचिव डॉ. प्राची सिंह ने पढ़ाई का महत्त्व बताते हुए कहा कि पढ़ाई का अर्थ केवल पढ़ना या लिखना नहीं होता बल्कि हमें जिम्मेदार होना होता है। यदि हम पढ़कर लिखकर किसी भी कार्य को करने का तरीका सीख नहीं पाते तो पढ़ाई करने का कोई महत्त्व नहीं है। उदाहरण द्वारा उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि आज भी महिलायें अपने बोलने के, काम करने के तरीके में धैर्य, सहनशीलता का परिचय दे तो आज भी समाज में महिलायें ही बेहतर स्थिति में हैं। ईश्वर ने यदि महिला, पुरूष में अंतर रखा है, तो महिलाओं को पुरुषों से तुलना करने की आवश्यकता नहीं है। कार्यक्रम में विभाग के अन्य सदस्य डॉ. शोभा, श्रीमती निधि शर्मा, कु. बिजमा, कु. अम्बालिका और कु. दीपक के सहयोग के बिना यह कार्यक्रम आयोजित करना संभव न था। कार्यक्रम का संचालन संस्कार, अफरा, विकास, खुशी और श्रद्धा ने किया।

# कॉलेज समाचार

## कॉलेज में आयोजित रोजगार मेला में 174 विद्यार्थियों का रोजगार हेतु चयन

महाविद्यालय में आयोजित एक दिवसीय रोजगार मेला में साईंस कॉलेज के विद्यार्थियों के साथ-साथ अन्य महाविद्यालयों से भी विद्यार्थियों का रोजगार हेतु चयन हुआ है। यह जानकारी देते हुए साईंस कालेज, दुर्ग के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल के संयोजक डॉ. पद्मावती ने बताया कि महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह के मार्गदर्शन में दुर्ग के विद्या कम्प्यूटर एवं आईसेक्ट द्वारा महाविद्यालय के बैडमिंटन हॉल में आयोजित रोजगार मेला में 20 प्रतिष्ठानों ने हिस्सा लेकर कुल 174 विद्यार्थियों को रोजगार हेतु चयनित किया। इन विद्यार्थियों का वार्षिक सैलरी पैकेज डेढ़ लाख से पाँच लाख के मध्य था। डॉ. पद्मावती के अनुसार इस रोजगार मेला में साईंस कालेज, दुर्ग के विद्यार्थियों के साथ-साथ अन्य महाविद्यालयों में अध्ययनरत् तथा उत्तीर्ण हो चुके लगभग नौ सौ से अधिक विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल द्वारा आयोजित रोजगार मेले से इतनी बड़ी संख्या में विद्यार्थियों के चयनित होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय सिंह ने कहा कि आगामी महीनों में भी महाविद्यालय में अनेक प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित करने हेतु प्रतिष्ठित संस्थानों से सम्पर्क किया जा रहा है।

ट्रेनिंग प्लेसमेंट के सदस्य डॉ. अंशुमाला चन्दनगर एवं डॉ. अलका मिश्रा ने संयुक्त रूप से बताया कि रोजगार मेले में शामिल संस्थानों में प्रिया नर्सिग सर्विसेस द्वारा 20 विद्यार्थी सेव माइक्रो फॉयनेंस प्रायवेट लिमिटेड द्वारा 12 विद्यार्थी, स्पंदना स्फूर्ति लिमिटेड द्वारा 22 विद्यार्थी, जय अम्बे इन्टरप्राइजेस द्वारा 26 विद्यार्थी टेक्नोटॉस्क बिजनेस सॉल्यूशन द्वारा 36 विद्यार्थी एसआर हॉस्टिपटल एण्ड रिसर्च सेन्टर द्वारा 58 विद्यार्थी का चयन रोजगार प्राप्ति हेतु हुआ। इस प्रकार रोजगार मेले में 174 विद्यार्थियों का चयन हुआ।

इस रोजगार मेले के आयोजन में विद्या कम्प्यूटर, आईसेक्ट के साथ-साथ महाविद्यालय ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल के डॉ. अलका मिश्रा, डॉ. अंशुमाला चन्दनगर, डॉ. कल्पना अग्रवाल, डॉ. सतीश सेन, डॉ. प्रदीप जांगड़े, डॉ. लतिका ताम्रकार, डॉ. तरूण कुमार साहू , डॉ. सीमा पंजवानी एवं ग्रंथपाल विनोद अहिरवार का उल्लेखनीय योगदान रहा।

## कॉलेज के भूगर्भशास्त्र विभाग के धर्मेश साहू का गेट परीक्षा में भारत में 93वां स्थान

भूगर्भशास्त्र विभाग से स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त धर्मेश साहू ने गेट परीक्षा में समूचे भारत में 93 वां स्थान प्राप्त कर महाविद्यालय को गौरवांवित किया है। साईंस कालेज दुर्ग के भूगर्भशास्त्र के सहायक प्राध्यापक डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव ने बताया कि भूगर्भशास्त्र विषय लेकर गेट (ग्रेजुएट एप्टीट्यूट टेस्ट परीक्षा) में प्रविष्ट धर्मेश ने 435 अंक अर्जित किये। उल्लेखनीय है, कि छः माह पूर्व धर्मेश ने यूजीसी नेट/जेआरएफपरीक्षा भी उत्तीर्ण की थी।/गेट परीक्षा के परिणाम घोषित हुए। धर्मेश साहू की सफलता पर बधाई देते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह तथा भूगर्भशास्त्र के विभागाध्यक्ष डॉ. एस.डी. देशमुख ने कहा कि महाविद्यालय के विभिन्न विभागों के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों तथा शोधार्थियों को इससे प्रेरणा लेना चाहिये।

## रागिनी साहू का राज्य स्तरीय शिविर के लिए हुआ चयन

महाविद्यालय में अध्ययनरत छठवें सेमेस्टर की छात्रा रागिनी साहू पिता श्री इंदल कुमार साहू का चयन राज्य स्तरीय विशेष शिविर अंबिकापुर के लिए हुआ है। शिविर में प्रदेश के विभिन्न जिलों व अलग-अलग विश्वविद्यालयों के स्वयं सेवक हिस्सा लेंगे। साइंस कॉलेज दुर्ग के राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयं सेविका रागिनी साहू हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग की ओर से 21 से 27 मार्च तक अंबिकापुर में राज्य स्तरीय शिविर में शामिल होंगे। इस उपलब्धि पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मीना मान सहित महाविद्यालय परिवार ने शुभकामना दी।

# कॉलेज समाचार

## वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित

### जिंदगी वैसी नही होती जैसी दिखती है - डॉ. राजेश पाण्डेय

जिदंगी वैसी नहीं होती जैसी दखती है, हमको अपने परिश्रम के द्वारा जिंदगी को अपनी आवश्यकता के अनुकूल बनाना पड़ता है। महाविद्यालयीन जीवन सबसे नाजुक समय होता है, क्योंकि यहीं से हमारी दशा एवं दिशा तय होती है। पुरस्कार श्रेष्ठता का परिचायक होता है। जब हम महाविद्यालय के छात्र जीवन से बाहर सामाजिक दुनिया में आते हैं, तो हमें बहुत सारी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। यदि हमें किसी कारणवश पुरस्कार नहीं मिलता तो हमें निराश न होकर अगली बार और अच्छा प्रयास करना चाहिये। प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक प्राप्त करना परिवार, समाज एवं पूरे महाविद्यालय के लिये गौरव का विषय है, अन्य विद्यार्थियों को भी इसका अनुकरण करना चाहिये। ये विचार अपर संचालक, उच्चशिक्षा दुर्ग संभाग डॉ. राजेश पाण्डेय ने महाविद्यालय में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किये।

महाविद्यालय के डॉ. राधा कृष्णन सभागार में आयोजित वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह में श्री पाण्डेय ने महाविद्यालय के स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रावीण्य सूची में प्रथम स्थान प्राप्त छात्र-छात्राओं को स्वर्ण पदक प्रदान किया। समारोह के दौरान पूरे शैक्षणिक सत्र 2024-25 में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं तथा राष्ट्रीय यूथ फेस्टिवल नोयडा में विजेता छात्र-छात्राओं एवं महाविद्यालय से अग्निवीर योजना में चयनित 7 विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया।

महाविद्यालय की छात्राओं मुस्कान यादव, नमिता तथा श्वेता श्रीवास द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना, एवं स्वागत गान एवं छत्तीसगढ़ राज्य गीत के प्रस्तुतिकरण के साथ आरंभ हुये कार्यक्रम का संचालन डॉ. ज्योति धारकर एवं डॉ. संजू सिन्हा ने किया। अतिथियों के स्वागत के पश्चात् अपने स्वागत भाषण में महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुये महाविद्यालय की उपलब्धियों का प्रस्तुतिकरण दिया। डॉ. सिंह ने मुख्य अतिथि डॉ. राजेश पाण्डेय के समक्ष महाविद्यालय की आवश्यकताओं से संबंधित कुछ बिंदु रखें, जिनमें महाविद्यालय में गेस्ट हाउस का निर्माण, भूगर्भशास्त्र विभाग में प्रयोगशाला कक्ष का निर्माण, महाविद्यालय में स्थापित होने वाले रॉक गार्डन हेतु शासन से अनुदान की अपेक्षा, महाविद्यालय में एम.ए. सॉयकोलॉजी, एम.ए. संस्कृत तथा एमएससी गणित एवं कम्प्यूटिंग पाठ्यक्रम आरंभ किये जाने की मांग शामिल थी।

पुरस्कार वितरण समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित शासकीय नवीन महाविद्यालय रिसाली भिलाई की प्राचार्य डॉ. अनुपमा अस्थाना ने सभी विजेताओं को तथा उनके पालकों को बधाई देते हुए कहा कि आज उनका दिन है। यह पल सभी विजेताओं विद्यार्थियों को सारी उम्र याद रहेगा उन्होंने कहा कि महाविद्यालय के प्रत्येक विद्यार्थी का यह दायित्व है कि वो साईंस कालेज, दुर्ग को देश का सर्वश्रेष्ठ महाविद्यालय बनाने में अपनी अहम् भूमिका निभाये। विशिष्ट अतिथि शासकीय कन्या महाविद्यालय, दुर्ग की प्राचार्य डॉ. रंजना श्रीवास्तव ने कहा कि जिन विद्यार्थियों को आज पुरस्कार नहीं मिला उन्हें निराश होने की आवश्यकता नहीं है। ईश्वर ने उनके लिये किसी अन्य स्थान पर पुरस्कृत होना लिखा है। अतिथियों का स्वागत करने वालों में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह, डॉ. अभिनेष सुराना, डॉ. जगजीत कौर सलूजा, डॉ. गोविन्द गुप्ता, रजिस्ट्रार श्री आशुतोष साव, मुख्य लिपिक श्री संजय कुमार यादव शामिल थे। लगभग 200 से अधिक विद्यार्थियों को विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता होने पर पुरस्कृत किया। पुरस्कार प्राप्त करने वालों में एमएससी रसायन शास्त्र की कु. रिया देवांगन तथा आराधना सोनी ने सर्वाधिक पुरस्कार प्राप्त किया। द्वितीय स्थान पर एम.ए. अर्थशास्त्र की भार्गवी ध्रुव ने 5 पुरस्कार बटोरे। महाविद्यालय के भूतपूर्व छात्र श्री विवेक श्रीवास्तव के निधन के पश्चात् उसकी स्मृति में साथ ही भूतपूर्व विद्यार्थियों द्वारा प्रदान किये गये पुरस्कार से एम.एससी भूगर्भशास्त्र की कु. मोनिका को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव ने किया।

इस कार्यक्रम के आयोजन में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकों, क्रीड़ा अधिकारी एवं कर्मचारियों का उल्लेखनीय योगदान रहा।

# कॉलेज समाचार

## रसायन विभाग द्वारा प्राध्यापकों व कर्मचारीगणों के बच्चों के लिये ग्रीष्मकालीन शिविर आयोजित

रसायन विभाग द्वारा प्राध्यापकों व कर्मचारीगणों के बच्चों के लिये दिनांक 25.04.2025 से 10.5.2025 तक ग्रीष्मकालीन शिविर का आयोजन किया गया, जिसके तहत बच्चों को लूडो, सांप सीढ़ी, किचन सेट, कैरम, शतरंज, चाइनीज चेकर, पेटिंग, कहानियां, पेपर क्राफ्ट, चिड़ियों को पानी देना, गार्डन में पेड़ पौधों का अवलोकन, झूला आदि क्रियाकलाप कराये गये। विशेष रूप से स्पोर्ट्स ऑफिसर श्री लक्ष्मेन्द्र कुलदीप की सहायता से बच्चों को जिम की सुविधा दी गयी एवं योगा शिक्षक सुश्री नीरा सिंह ने प्रतिदिन योगा का प्रशिक्षण दिया। बच्चों ने उत्साहपूर्वक इस शिविर में भाग लिया, बच्चों के साथ उनके माता-पिता भी उत्साहित रहे, क्योंकि इस बीच बच्चों के स्कूल अवकाश घोषित हो चुके थे, महाविद्यालय के नहीं। इस प्रकार बच्चे विभिन्न एक्टिविटी के साथ अपने पेरेंट्स के संपर्क में भी रहे। इस पूरे आयोजन में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह की सहर्ष सहमति के साथ पूर्ण सहयोग रहा, साथ ही अनेक प्राध्यापकों ने सहयोग दिया। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. अनुपमा कश्यप एवं डॉ. उपमा श्रीवास्तव ने कहा कि बच्चे दस दिनों तक 7 घंटे मोबाईल फोन से दूर रहे और अपने परंपरागत खेलों से परिचित हुये। रसायन विभाग में सभी प्राध्यापकों का पूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ।

## अंतर्राष्ट्रीय योगासन प्रतियोगिता हेतु चयन

राष्ट्रीय योगासन स्पोर्ट्स फेडेरेशन जो कि एशियन योगासन स्पोर्ट्स फेडेरेशन (AYSF) से सम्बद्ध है, के अंतर्गत 5 वीं राष्ट्रीय योगासन स्पोर्ट्स चैम्पियनशिप 2024-25 केरल (त्रिवेन्द्रम) में दिनांक 29.03.2025 से 31.03.2025 तक आयोजित हुई, जिसमें महाविद्यालय के योग विभाग के छात्र राहुल कुमार साहू ने आर्टिस्टिक सिंगल में प्रथम स्थान, ट्रेडिशनल इवेंट में द्वितीय स्थान एवं आर्टिस्टिक पेयर इवेंट में तृतीय स्थान तथा धनश्याम ने आर्टिस्टिक पेयर में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

अंतर्राष्ट्रीय योगासन स्पोर्ट्स चैम्पियनशिप जुलाई 2025 जो कि दुबई में आयोजित है, जिसमें इनका चयन किया गया है। महाविद्यालय परिवार एवं योग विभाग की तरफ से इनको हार्दिक शुभकामनाये प्राचार्य डॉ. ए.के. सिंह, एवं वरिष्ठ प्राध्यापक जगजीत कौर सलूजा, डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव, क्रीड़ा अधिकारी श्री लक्ष्मेन्द्र कुलदीप एवं सहा.प्रा. योग डॉ. नीरा सिंह, आदि ने दी।

## भूगर्भशास्त्र के एलुमनी विद्यार्थियों का उल्लेखनीय सहयोग

### भूगर्भशास्त्र के एलुमनी विद्यार्थियों ने वर्तमान विद्यार्थियों हेतु आयोजित किया माइनिंग इंस्पेक्टर परीक्षा का मॉक टेस्ट

महाविद्यालर्य के भूगर्भशास्त्र विभाग के एलुमनी विद्यार्थी ने वर्तमान में अध्ययन कर रहे विद्यार्थियों हेतु आगामी महीने में आयोजित होने वाली माइनिंग इंस्पेक्टर परीक्षा की तैयारी के लिये अवकाश के दिन मॉक टेस्ट आयोजित किया। इस टेस्ट के आयोजन में जियोलॉजी एवं माइनिंग विभाग में पदस्थ श्री मनदीप सिंह की उल्लेखनीय भूमिका रही। यह जानकारी देते हुए भूगर्भशास्त्र के विभागाध्यक्ष डॉ. एस.डी. देशमुख ने बताया कि इस मॉक टेस्ट परीक्षा में न केवल साईंस कालेज, दुर्ग बल्कि साईंस कॉलेज, रायपुर, एन.आई.टी. रायपुर के विद्यार्थी भी शामिल हुये। भूगर्भशास्त्र के सहायक प्राध्यापक डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव ने बताया कि महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह के मार्गदर्शन में वर्तमान विद्यार्थियों के हित में एलुमनी विद्यार्थियों द्वारा अनेक सराहनीय गतिविधियां आयोजित की जा रही है। आज आयोजित मॉक टेस्ट के दौरान प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह ने प्रशंसा करते हुये कहा कि अन्य विभागों को भी विद्यार्थियों के हित में इस प्रकार की गतिविधियां आयोजित करनी चाहिये। डॉ. श्रीवास्तव के अनुसार आयोजित माइनिंग इंस्पेक्टर हेतु 3 घंटे के मॉक टेस्ट में कुल 100 प्रश्न पूछे गये जो कि सामान्य अध्ययन, छत्तीसगढ़ पर आधारित प्रश्न तथा जियोलॉजी एवं माइनिंग विषय से संबंधित थे। टेस्ट में प्रविष्ट होने वाले सभी प्रतिभागियों ने एलुमिनी विद्यार्थी मनदीप सिंह के प्रयास की सराहना करते हुये बताया कि आज मॉक टेस्ट देने के बाद उनके आत्म विश्वास एवं ज्ञान में वृद्धि हुई है। यह जब वास्तव में लोक सेवा आयोग द्वारा माइनिंग इंस्पेक्टर की परीक्षा आयोजित की जायेगी तब हम सभी को सहायता होगी। इस मॉक टेस्ट के आयोजन के लिये सभी ने महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय सिंह एवं भूगर्भशास्त्र विभाग को धन्यवाद दिया। मॉक टेस्ट के आयोजन में डॉ. विकास स्वर्णकार एवं श्री दिनेश मिश्रा का उल्लेखनीय योगदान रहा।

# विज्ञान मेला आयोजित

## साईंस के सिद्धांतों का दैनिक जीवन में अनुप्रयोग का मॉडल द्वारा उल्लेखनीय प्रदर्शन

छत्तीसगढ़ कौसिंल ऑफ साईंस एण्ड टेक्नालॉजी रायपुर द्वारा प्रायोजित साईंस फेयर अर्थात् विज्ञान मेला का आयोजन रवीन्द्रनाथ टैगोर सभागार में किया गया। इस मेले में 50 से अधिक टीमों ने हिस्सा लेकर विज्ञान के मूलभूत सिद्धांतों पर आधारित मॉड्लस के जरिये अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। यह जानकारी देते हुए साईंस फेयर आयोजन समिति की संयोजक डॉ. जगजीत कौर सलूजा तथा सहसंयोजक डॉ. कुसुमांजलि देशमुख ने संयुक्त रूप से जानकारी दी कि इस साईंस फेयर को 6 विभिन्न केटेगरी में विभक्त किया गया था, इनमें वर्किंग मॉडल, स्टेटिक मॉडल, लाईफ साईंस पर आधारित मॉडल, फन साईंस पर आधारित मॉडल, नवीन अनवेषण पर केन्द्रित मॉडल आदि कैटेगरी शामिल थी। डॉ. प्रज्ञा कुलकर्णी एवं डॉ. कुसुमांजलि देशमुख के अनुसार विभिन्न वर्गों में विभक्त मॉडल प्रतियोगिता हेतु निर्णायक के रूप में सेवानिवृत्त प्राचार्य डॉ. वाय. आर. कटरे, डॉ. वाय. पी. पटेल तथा सेवानिवृत्त प्राध्यापक डॉ. मधुलिका रॉय आमंत्रित थे।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों द्वारा बनाए गये मॉडल की प्रशंसा करते हुये कहा कि इस प्रकार के आयोजन से विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता प्रदर्शित होती है तथा अन्य विद्यार्थियों को भी आगे आने का मौका मिलता है। प्राचार्य डॉ. सिंह ने इस आयोजन हेतु राशि उपलब्ध कराने के लिये छत्तीसगढ़ कौसिंल ऑफ साईंस एण्ड टेक्नालॉजी, रायपुर को धन्यवाद दिया। इस कार्यक्रम का संचालन बायोटेक्नालॉजी की डॉ. श्वेता पाण्डेय ने किया।

इस साईंस फेयर में छत्तीसगढ़ के विभिन्न महाविद्यालयों तथा साईंस कालेज, दुर्ग के लगभग 500 से अधिक विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा आनंद मेले का भी आयोजन किया गया था, जिसका वहां उपस्थित सभी लोगों ने भरपूर आनंद लिया।

# महाविद्यालय प्रशासन द्वारा पक्षियों हेतु दाना पानी की व्यवस्था

## पंछी बचाओं अभियान वर्तमान समय की आवश्यकता - डॉ. अजय सिंह

पक्षी बचाओ अभियान वर्तमान समय की प्रमुख आवश्यकता है। हमारे अंचल में पड़ रही भीषण गर्मी से तापक्रम 43 डिग्री सेल्सियस से अधिक चला गया है। इस वजह से सबसे ज्यादा हमारे आसपास रह रहे पक्षियों को दाना एवं पानी उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए महाविद्यालय प्रशासन ने यह निर्णय लिया कि महाविद्यालय के विभिन्न स्थानों जैसे - स्वामी विवेकानंद उद्यान, क्रीड़ा परिसर तथा औषधीय पादप उद्यान आदि विभिन्न स्थानों पर पक्षियों हेतु में दाना एवं पानी की पर्याप्त व्यवस्था की जाये। इसकी शुरूआत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह ने विभिन्न प्राध्यापकों एवं कार्यालयीन स्टॉफ के साथ महाविद्यालय परिसर स्थित स्वामी विवेकानंद उद्यान से की। डॉ. सिंह ने उपस्थित सभी प्राध्यापकों एवं छात्र-छात्राओं से आव्हान किया कि वे अपने-अपने घरों में भी पक्षियों हेतु दाना एवं पानी की व्यवस्था सुनिश्चित करें।

इस अवसर पर उपस्थित महाविद्यालय के मुख्य लिपिक संजय यादव ने बताया कि महाविद्यालय प्रशासन द्वारा सामाजिक सरोकार योजना के अंतर्गत महाविद्यालय के विभिन्न स्थानों पर लगभग 100 से अधिक सकोरों की व्यवस्था कर पक्षियों को दाना पानी उपलब्ध कराया जायेगा। इस अभियान की शुरूआत में वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. जगजीत कौर सलूजा, डॉ. अभिनेष सुराना, प्रोफेसर उपमा श्रीवास्तव, डॉ. एस.डी. देशमुख, डॉ. अनीता शुक्ला, डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव, डॉ. प्रदीप जांगड़े, डॉ. अनुराग, डॉ. प्रशांत दुबे, क्रीड़ा अधिकारी लक्ष्मेन्द्र कुलदीप तथा टीकम यादव, ताराचंद साहू , मोहित देशमुख, पुरूषोत्तम देवांगन, रोहित राजपूत, ओंकार साहू, वेद साहू सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

# कॉलेज समाचार

## कॉलेज में राष्ट्रीय स्तर की यूजीसी नेट/गेट/सीएसआईआर तथा आईआईटी जैम परीक्षा में सत्र 2024-25 में 22 विद्यार्थी चयनित

विभिन्न विभागों के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों तथा शोधार्थियों ने सत्र 2024-25 में राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाली यूजीसी नेट/गेट/सीएसआईआर तथा आईआईटी जैम परीक्षा में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। यह जानकारी देते हुए महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव ने बताया कि इस सत्र में कुल 26 विद्यार्थी इन परीक्षा में चयनित हुये हैं। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह ने विद्यार्थियों की इस सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि अन्य विद्यार्थियों को भी इससे प्रेरणा लेना चाहिये। उल्लेखनीय है कि इस समय साईंस कालेज, दुर्ग शोध केन्द्र में हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग के लगभग 250 से अधिक शोध छात्र पंजीकृत हैं।

डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव ने बताया कि चयनित होने वाले विद्यार्थियों में यूजीसी नेट परीक्षा में राजनीति शास्त्र विभाग से मेघराज एवं हर्ष जोशी, हिन्दी विभाग से कु. प्रेमीन साहू , कु. सीमा गजभिये, श्री दावेन्द्र तथा भूगोल विभाग से श्री राहुल शर्मा, इतिहास विभाग से कु. प्रीयम वैष्णव, रेखराम, कु. खुशबू भूआर्य, भुवनेश्वर साहू, कु. प्रज्ञा नेमा, राज किशोर पटेल शामिल हैं, वहीं भूगर्भशास्त्र विभाग के धर्मेश देशमुख तथा मनोविज्ञान विभाग की वर्षा वर्मा ने राष्ट्रीय स्तर की गेट परीक्षा उत्तीर्ण की है। इनके अलावा सी.एस.आई.आर. नेट तथा जे.आर.एफ .परीक्षा उत्तीर्ण करने वालो में रसायन शास्त्र के आशीष देवांगन, कु. प्रगति अग्रवाल तथा यामिनी एवं भूगर्भशास्त्र विभाग की कु. पल्लवी गुप्ता, कु. स्वीटी शर्मा, पुकेश कुमार नाग शामिल है। भूगर्भशास्त्र विभाग के ही दो विद्यार्थियों विशाल पोद्दार तथा जातव्य ने आईआईटी जैम परीक्षा 2024 में सफलता प्राप्त कर आईआईटी में प्रवेश हेतु पात्रता हासिल की है। वनस्पति शास्त्र विभाग से कलेश कुमार यादव, मुकेश कुमार, यिकेश्वर ने सीएसआईआर नेट परीक्षा में सफलता प्राप्त की है। इनके अलावा वनस्पति शास्त्र विभाग के छात्र श्यामू ने राजीव गांधी नेशनल फेलोशिप हासिल की है।

# अंग्रेजी विभाग द्वारा लिंगुआ हब के समापन समारोह

दिनांक 26.04.25 को लिंगुआ हब अंग्रेजी विभाग द्वारा चलाये जा रहे विशेष प्रयोगशाला कार्यक्रम है जो विद्यार्थियों को अंग्रेजी भाषा के सरलतम प्रयोग व उपयोग तथा दैनिक जीवन व व्यवसायिक स्तर पर इसके उपयोग का प्रयोगशाला में प्रायोगिक स्तर पर शिक्षण के तहत कार्यक्रम के समापन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें मंचस्थ अतिथि महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस.एन. झा (विभागाध्यक्ष वाणिज्य) डॉ. अभिनेष सुराना (विभागाध्यक्ष हिन्दी) उपस्थित थे। कार्यक्रम में अंग्रेजी विभाग के समस्त प्राध्यापक व अन्य विभागों के प्राध्यापक तथा छात्र -छात्रा उपस्थित थे।

सर्वप्रथम अंग्रेजी विभागाध्यक्ष द्वारा मंचस्थ विद्वजनों को पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया तथा अपने स्वागत भाषण में डॉ. मर्सी जॉर्ज ने छात्राओं को अंग्रेजी भाषा के दैनिक उपयोग तथा निरंतर उसमें बात करने की प्रेरणा दी। अपने प्रेरणादायक उद्बोधन में मंचस्थ अतिथि प्राचार्य डॉ. एस.एन.झा ने अंग्रेजी भाषा की आज के इस दौर में महती उपयोगिता पर जोर देते हुए इसके निरंतर उपयोग व घर पर भी लगातार अपने पारिवारिक सदस्यों से इसी भाषा में बात करने की समझाइश दी।

डॉ. अभिनेष सुराना ने भाषा के अलावा इसके बोलने की पद्धति शैली व उच्चारण पर सुझाव दिये। कार्यक्रम में छात्र आयुश व छात्रा जयंती साहू ने अपने कार्यशाला के अनुभवों को साझा किया तथा छात्र-छात्राओं ने फीडबैक फार्म भरकर अपने अनुभव साझा किये कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. निगार अहमद ने किया। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन प्रयोगशाला की इंचार्ज डॉ. मीना मान ने किया।

अंग्रेजी विभाग की लैग्वेंज लैब (लिंगुआ हब) द्वारा दिनांक 26.04.25 को छात्रों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस सत्र में लैग्वेंज लैब महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह के उचित मार्गदर्शन एवं विभागाध्यक्ष डॉ. मर्सी जॉर्ज एवं विभाग के प्राध्यापक डॉ. मीना मान, डॉ. निगार अहमद, डॉ. तरलोचन कौर, डॉ. सीमा पंजवानी के अथक प्रयासों से नियमित कक्षाओं का संचालन किया गया, जिसमें 60 से भी अधिक छात्र/छात्राओं ने अंग्रेजी के चारों Skills listening, speaking, writing and reading के अलावा activity based language learning का लाभ लिया।

उक्त कार्यक्रम का आयोजन उन सभी विद्यार्थियों के लिए था, जिन्होंने इस सत्र में नियमित रूप से अपनी उपस्थित देकर Language Lab का भरपूर सद्उपयोग किया।

# कॉलेज समाचार

## इग्नू अध्ययन केन्द्र के नये समन्वयक बने - डॉ. अभिनेष सुराना

महाविद्यालय स्थित इंदिरा गांधी नेशनल ओपन युनिवर्सिटी के अध्ययन केन्द्र क्रमांक 1503 के नये समन्वयक हिन्दी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अभिनेष सुराना होंगे। यह जानकारी देते हुए इग्नू अध्ययन केन्द्र के सहायक समन्वयक डॉ. जी.एस. ठाकुर एवं डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव ने संयुक्त रूप से बताया कि डॉ. सुराना की अंशकालिक समन्वयक के रूप में नियुक्ति संबंधी आदेश इग्नू मुख्यालय नई दिल्ली से महाविद्यालय को प्राप्त हुआ। उल्लेखनीय है कि इग्नू अध्ययन केन्द्र के पूर्व समन्वयक डॉ. अनिल कश्यप का शासकीय आत्मानंद मॉडल कालेज, सोमनी राजनांदगांव में प्राचार्य के पद पर पदोन्नति हो जाने के कारण इग्नू अध्ययन केन्द्र क्र. 1503 के समन्वयक का पद पिछले दो माह से अधिक अवधि से रिक्त था।

डॉ. सुराना की नियुक्ति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह ने कहा कि साईंस कालेज, दुर्ग स्थित इग्नू अध्ययन केन्द्र छत्तीसगढ़ के श्रेष्ठ अध्ययन केन्द्रों के रूप में जाना जाता है। डॉ. सुराना की नियुक्ति हो जाने पर अब उनके नेतृत्व में यह अध्ययन केन्द्र विद्यार्थियों के हित में और कार्य करेगा। अपनी नियुक्ति पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए डॉ. अभिनेष सुराना ने कहा कि इग्नू नई दिल्ली के नियमानुसार छात्र हित में वे प्राचार्य डॉ. अजय सिंह के मार्गदर्शन में हर संभव प्रयास करेंगे। इग्नू अध्ययन केन्द्र के कर्मचारियों श्री राधे लाल यादव, श्री टीकम, श्री अशोक, श्री विजय, श्री चिंता राम यादव, श्री हेमंत निर्मलकर ने डॉ. अभिनेष सुराना को बधाई प्रेषित करते हुए शुभकामनाएं दी है।

## महाविद्यालय के14 सहायक प्राध्यापक पदोन्नत होकर बने प्राध्यापक बने

महाविद्यालय के विभिन्न विषयों के 14 सहायक प्राध्यापक पदोन्नत होकर प्राध्यापक बनाये गये हैं। उच्चशिक्षा विभाग छत्तीसगढ़ शासन द्वारा अवर सचिव श्री राकेश कुमार ध्रुव द्वारा हस्ताक्षरित आदेश दिनांक 29 मई 2025 के अनुसार कुल 302 सहायक प्राध्यापकों की पदोन्नति हुई है, जिसमें दुर्ग जिले से 42 सहायक प्राध्यापक, पदोन्नति के पश्चात् प्राध्यापक बनाये गये है। इन 42 सहायक प्राध्यापकों में से साईंस कालेज, दुर्ग के 14 सहायक प्राध्यापकों को पदोन्नति का लाभ मिला है।

पदोन्नत होने वाले सहायक प्राध्यापकों में भूगर्भशास्त्र के डॉ. एस.डी.देशमुख, डॉ. प्रशांत कुमार श्रीवास्तव, वनस्पति शास्त्र की डॉ. प्रज्ञा कुलकर्णी, इतिहास विभाग के डॉ. अनिल कुमार पाण्डेय तथा डॉ. कुमार राकेश रंजन सिंह, गणित विभाग के डॉ. राकेश तिवारी एवं डॉ. प्राची सिंह, रसायन शास्त्र की डॉ. सुनीता मैथ्यू तथा डॉ. अनुपमा कश्यप प्राणीशास्त्र की डॉ. दिव्या कुमुदिनी मिंज, मानव विज्ञान की डॉ. संध्या अग्रवाल, अंग्रेजी विभाग की डॉ. मर्सी जॉर्ज, राजनीति शास्त्र के डॉ. शकील हुसैन अर्थशास्त्र विभाग की डॉ. के. पद्मावती शामिल है।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह ने समस्त पदोन्नत प्राध्यापकों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। उल्लेखनीय है, कि ये सभी सहायक प्राध्यापक लगभग 30 वर्ष से अधिक की शासकीय सेवा पूर्ण कर चुके है तथा लगभग सभी मध्य प्रदेश, लोक सेवा आयोग द्वारा पूर्व में सहायक प्राध्यापक के पद पर चयनित हुये थे।

## महाविद्यालय में अर्थशास्त्र विभाग के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय पृथ्वी दिवस के अवसर पर भाषण

दिनांक 22.04.2025 अर्थशास्त्र विभाग में अंतर्राष्ट्रीय पृथ्वी दिवस के अवसर पर भाषण व स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. अंशुमाला चन्दनगर के द्वारा पृथ्वी दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला गया। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम नरेन्दर अंथाल, द्वितीय मीरा भूरिया तथा तृतीय स्थान पर आशी सिंह रही। साथ ही स्लोगन प्रतियोगिता में प्रथम खुशबू मानिकपुर, द्वितीय स्थान पर प्रथम मेश्राम रहे। कार्यक्रम में 7 अप्रेल को हुए अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य दिवस पर निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं को भी पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. नीता मिश्रा, डॉ. जिज्ञासा पाण्डेय, डॉ. वंदना कश्यप तथा एम.ए. द्वितीय व चतुर्थ कक्षा के छात्र-छात्राएं शामिल हुए।

## छत्तीसगढ़ सेट/नेट परीक्षा 2024 में कॉलेज, दुर्ग के 83 विद्यार्थियों ने लहराया परचम

छत्तीसगढ़ सेट परीक्षा 2024 के घोषित परिणामों के अनुसार महाविद्यालय के 83 वर्तमान एवं भूतपूर्व विद्यार्थियों ने अपना परचम लहराया है। यह जानकारी देते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह ने बताया कि महाविद्यालय के इतिहास में इस बार सेट परीक्षा में सर्वाधिक छात्र-छात्राएं चयनित हुए है। डॉ. सिंह के अनुसार महाविद्यालय के 12 विभागों से विद्यार्थियों ने सेट परीक्षा में सफलता अर्जित की है। उन्होंने बताया कि नये शैक्षणिक सत्र 2025-26 में नेट/सेट परीक्षा हेतु महाविद्यालय में विशेष कोचिंग की व्यवस्था किया जाना प्रस्तावित है।

महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा दी गयी जानकारी के अनुसार जिन विद्यार्थियों का छत्तीसगढ़ सेट परीक्षा में चयन हुआ है। उनमें भौतिक शास्त्र विभाग की कु. योगिता गेन्द्रे, काजल राजपूत, अमीशा, वर्षा चन्द्राकर, विमल कुमार, लक्ष्मी प्रसाद मिश्रा, गीतांजली, रोशन कुमार, योगराज साहू, लालिमा, वमन, वर्षा देशमुख, लक्ष्मीकांत वर्मा सहित 13 विद्यार्थी शामिल हैं। इसी प्रकार समाज शास्त्र विभाग से चयनित 02 विद्यार्थियों में राकेश कुमार तथा देवेष कुमार साहू शामिल है। वनस्पति शास्त्र विषय के चयनित 10 विद्यार्थियों में रत्नाकर उपाध्याय, श्यामू, देविका जंघेल, चंचल, टोमन, रेशमा मंडावी, कृष्णा सिदार, अश्विन गौतम, कलेश कुमार, पकंज निषाद शामिल हैं। अंग्रेजी विभाग से चयनित 04 विद्यार्थियों में गोपाल पटेल, अवितेश कुमार, मनोज पैकरा, तेजश छाबड़ा हैं। प्राणीशास्त्र विभाग में चयनित 07 विद्यार्थियों में प्रिया जायसवाल, तोसेन्द्र डड़सेना, ओजस्वी साहू, देवेन्द्र उइके, प्राची चन्द्राकर, सूरज जंघेल, वंदना चुरेन्द्र शामिल है। वाणिज्य विभाग से आशुतोष साहू, अंकिता करभल, तोरण लाल देहारी, नागेश्वर कुमार बंजारे, किरण रात्रे, अंजली कश्यप, लिकेश्वर प्रसाद, अनिता देवांगन, सुनील देवांगन, शशि प्रकाश रात्रे सहित 10 विद्यार्थी चयनित हुए हैं। गणित विभाग के चयनित विद्यार्थियों में भवानी सिंह, महेन्द्र वर्मा, वर्षा चन्द्राकर, तुलाराम साहू, प्रदीप साहू, आशुतोष साहू , पोषण लाल, लोकेश देवांगन, प्रभाकर राव, डिकेश्वर सिन्हा, इन्द्रजीत साहू सहित 11 विद्यार्थियों का चयन हुआ है। रसायन शास्त्र विभाग से चयनित 07 विद्यार्थियों में आशीष देवांगन, पुनेश्वर, शोभारानी, मीनल, यामिनी, लेविश, मानसी शामिल है।

अर्थशाास्त्र विभाग से चयनित 05 विद्यार्थियों में घुरवाराम श्याम, नंदिनी टण्डन, कोमल देवांगन, पिटदीप तथा सविता कुर्रे शामिल है। बायोटेक्नालॉजी विभाग से दशरथ श्रीवास तथा निशा सलामे सहित 02 विद्यार्थी चयनित हुए है। हिन्दी विभाग से चयनित 05 लोगों में अतुल केशरवानी, तरूण कुमार साहू , बेलमती पटेल, निर्मला पटेल तथा लता गोस्वामी शामिल हैं। राजनीति शास्त्र विभाग से हितेश्वरी वर्मा एवं अतिथि प्राध्यापक सहबाज़ अली ने भी छत्तीसगढ़ सेट परीक्षा उत्तीर्ण की है। इतिहास विभाग से चयनित कुल 07 विद्यार्थियों में प्रियम वैष्णव, प्रज्ञा नेमा, राज किशोर पटेल, भुवनेश्वर साहू , रेखराम यादव, तुलाराम, जागेश्वर शामिल है।

छत्तीसगढ़ सेट परीक्षा में विद्यार्थियों की इस अभूतपूर्व सफलता पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह, वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. एस.एन. झा, डॉ. अभिनेष सुराना, डॉ. जगजीत कौर सलूजा, डॉ. एच.पी. सिंह सलूजा, डॉ. पद्मावती, प्रोफेसर उपमा श्रीवास्तव, डॉ. एस.डी. देशमुख, डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव, डॉ. अनिल पाण्डेय, डॉ. शकील हुसैन, डॉ. उषा साहू, डॉ. श्वेता पाण्डेय, डॉ. एलिजाबेथ भगत, डॉ. राकेश तिवारी आदि ने बधाई देते हुए अन्य विद्यार्थियों से भी इसका अनुकरण करने का आग्रह किया है।

## योग दिवस उल्लासपूर्वक आयोजित

### योग एवं पर्यावरण का सीधा संबंध – डॉ. सिंह

दिनांक 21.06.2025 को योग एवं पर्यावरण का सीधा संबंध है। योग आसनों में वृक्षासन, तड़ासन आदि शब्दों का प्रयोग होता है। हमें अपने शरीर को स्वस्थ्य रखने के साथ-साथ पर्यावरण का संरक्षण भी करना चाहिए। ये विचार कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह ने पी.वी. सिंधू, बैडमिंटन हॉल में व्यक्त किये। डॉ. सिंह ने कहा कि हमें केवल दिन नहीं बल्कि पूरे वर्षभर अपने सामर्थ के अनुसार योगाभ्यास करना चाहिए। योग से हमारा तन एवं मन दोनों स्वस्थ रहता है।

ईश्वर की आराधना के साथ आरंभ हुये योगाभ्यास समारोहों में मुख्य प्रशिक्षक महाविद्यालय की योग शिक्षिका डॉ. नीरा सिंह ने योग के महत्व को बताते हुये बड़ी संख्या में उपस्थित प्राध्यापकों, कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं को योगाभ्यास कराया। योगाभ्यास के दौरान विभिन्न प्रकार के बैठकर, खड़े होकर तथा जमीन पर लेटकर किये जाने वाले विभिन्न आसनों की उपयोगिता एवं उसके शरीर पर पड़ने वाले प्रभावों का भी डॉ. नीरा सिंह ने विस्तार से विश्लेषण किया। डॉ. नीरा सिंह ने बताया कि अनलोम, विलोम तथा प्रणायाम जैसे आसन शरीर को स्वस्थ रखने के साथ-साथ नई ऊर्जा का संचार भी करती है। बैडमिंटन हॉल में उपस्थित प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों तथा छात्र-छात्राओं ने निष्ठापूर्वक योगाभ्यास करते हुए संपूर्ण वर्षभर योगाभ्यास करने का संकल्प लिया।

# कॉलेज समाचार

## कॉलेज में आयोजित हुआ विदाई समारोह
## प्रो. सुकुमार चटर्जी 40 वर्षों की सेवा के पश्चात् हुए सेवानिवृत्त

महाविद्यालय के रसायनशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. सुकुमार चटर्जी 40 वर्षों की लंबी शासकीय सेवा के पश्चात् अधिवार्षिकी आयु पूर्ण करने के पश्चात् सेवा निवृत्त हो गये। भूगर्भशास्त्र के डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव ने बताया कि स्टॉफक्लब साईंस कॉलेज द्वारा उनके सम्मान में रवीन्द्रनाथ टैगोर सभागार साईंस कॉलोज में बिदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस विदाई समारोह में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक एवं कर्मचारी उपस्थित थे। बिदाई के अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह ने रसायन शास्त्र विभाग में डॉ. सुकुमार चटर्जी के साथ बिताए गए पलों को याद करते हुए उन्हें सादगीपूर्ण जीवन बिताने वाले तथा रसायन शास्त्र के एक अच्छे प्राध्यापक के रूप में निरूपित किया।

अपने स्वागत भाषण में भूगर्भशास्त्र के प्राध्यापक डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव ने कहा कि प्रोफेसर चटर्जी साईंस कालेज, दुर्ग के भूतपूर्व छात्र रहे हैं। 1977-78 सत्र में बी.एससी प्रथम वर्ष में प्रवेश लेने के पश्चात् आज लगभग 47 वर्षों का समय व्यतीत हो गया और प्रोफेसर चटर्जी लगातार इस महाविद्यालय से जुड़े रहे हैं। शासकीय सेवा में 1985 से 1992 तक प्रोफेसर चटर्जी शा. पी.जी. कॉलेज, रायगढ़ में पदस्थ रहें तथा 1992 से लेकर आज 30 जून 2025 तक वे साईंस कालेज, दुर्ग में अपनी सेवाऐं दे रहे हैं। इस बीच वे महाविद्यालय स्वशासी प्रकोष्ठ के परीक्षा नियंत्रक तथा रसायन शास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष भी रहें। महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. ए.के. खान ने डॉ. चटर्जी को आजात शत्रु निरूपित किया। शासकीय नवीन महाविद्यालय, रिसाली की प्राचार्य डॉ. अनुपमा अस्थाना ने भी इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त किये। रसायन विभाग की नई विभागाध्यक्ष डॉ. सुनीता मैथ्यू ने सुकुमार चटर्जी के नाम के अक्षरों का उनके व्यक्तित्व के साथ संबंध का खुबसूरत विश्लेषण किया। महाविद्यालय के मुख्य लिपिक श्री संजय यादव ने अपने संबोधन में कहा कि शासकीय सेवा से बेदाग सेवा निवृत्त होना अपने आप में बड़ी उपलब्धि है। बिदाई समारोह में महाविद्यालय के रसायन शास्त्र के पूर्व प्राध्यापक डॉ. अलका तिवारी, डॉ. नूतन राठौड़, डॉ. मंजू कौशल, डॉ. अनुपमा अस्थाना, डॉ. अनिल कश्यप सहित रसायन शास्त्र के शोधार्थी एवं कर्मचारी भी उपस्थित थे।

अपने बिदाई सम्मान के प्रतिउत्तर में बोलते हुए प्रो. सुकुमार चटर्जी ने पूरे महाविद्यालय परिवार को धन्यवाद देते हुए कहा कि इस महाविद्यालय में उन्हें जीवन के अनेक पहलुओं को सीखने का मौका मिला। महाविद्यालय में अपनी शासकीय सेवा को जीवन का स्वर्णिम काल निरूपित करते हुए प्रोफेसर चटर्जी ने महाविद्यालय में बिताये गये छात्र जीवन तथा प्राध्यापक के रूप में अनेक संस्मरणों का उल्लेख किया। प्रो. चटर्जी ने महाविद्यालय के रसायन शास्त्र विभाग को उपहार के रूप में अपनी तरफ से एक एयर कंडीश्नर भी भेंट किया। इस अवसर पर प्रोफेसर चटर्जी की पत्नि श्रीमती गोपा चटर्जी, दोनों पुत्रियां एवं दामाद सहित सहपरिवार उपस्थित थी। समारोह के अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सतीश कुमार सेन ने किया।

## प्लास्टिक के अनुपयोगी पेन बदलो - पर्यावरण संवारो

महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह के मार्गदर्शन में रसायन शास्त्र विभाग द्वारा पर्यावरण को सुरक्षित रखने की श्रृंखला के अंतर्गत एक बहुत ही आसान व रोचक पहल की जा रही है, जिसके तहत उपयोग में लाये जा चुके Waste प्लास्टिक पेन का प्रबंधन किया जा रहा है। इस योजना के अनुसार विद्यार्थियों को प्लास्टिक के अनुपयोगी चार पेन लाना है, इसके बदले में उन्हें एक नया पेन दिया जा रहा है। साथ ही बायो डिग्रेडेबल बनाने का प्रशिक्षण भी दिया जायेगा।

यह मुहिम रसायन विभाग द्वारा लगभग 4 महीनों से चलायी जा रही है। एमएससी की छात्रा संध्या सोनी द्वारा बीज युक्त व पेपर से बायो डिग्रेडेबल Bio-degradable Pen बनाया गया, जिसे उपयोग में लाने के बाद मिट्टी में डाल दिया जाता है, वह खाद का रूप ले लेता है और उसमें डाले गये बीजों से छोटा पौधा भी उग जाता है। इस कार्यक्रम की संयोजक डॉ. अनुपमा कश्यप ने बताया कि इसका उद्देश्य प्लास्टिक जैसे प्रदूषक से प्रकृति को सुरक्षित रखना है, महाविद्यालय द्वारा इन Waste Pen को एकत्रित कर Recycling के लिये भेजा जायेगा, ताकि प्रदूषण की समस्या कुछ हद तक दूर हो जाये। यह कार्यक्रम Reduce, Recycling, Reuse के तहत सबके लिये लाभकारी होगा तथा छात्र-छात्राओं में पर्यावरण सुरक्षा के प्रति जागरूकता लायेगा।

# लोक संस्कृति के संरक्षण हेतु सातदिवसीय नाचा, नाट्य कार्यशाला का आयोजन

महाविद्यालय के हिन्दी एवं संस्कृत विभाग द्वारा दिनांक 24 जनवरी 2025 से 31 जनवरी 2025 तक नाट्य कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के समापन समारोह में महाविद्यालय के प्राचार्य एवं संरक्षक डॉ अजय कुमार सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ी नाचा, लोक कला, लोकनाट्य एवं नाटक हमारे देश की संस्कृति का अनमोल धरोहर है। हमें इनको संजोकर रखना है, संभाल करके रखना है। स्थानीय जनजीवन का प्रतिबिंब हमें लोकनाट्य, नाचा एवं नाटक में देखने मिलता है।

उन्होंने हिंदी एवं संस्कृत विभाग के प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों को सात दिवसीय कार्यशाला के सफल आयोजन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी। हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ अभिनेष सुराना में प्राचार्य एवं सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

इस कार्यशाला में दुर्ग जिले के विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थी कार्यशाला में सम्मिलित हुए। जिसमें शैलदेवी महाविद्यालय अंडा तथा मिलाई महिला महाविद्यालय से 9, भिलाई के विद्यार्थी बड़ी संख्या में सम्मिलित हुए। हिन्दी विभाग से लोक में प्रसिद्ध नाचा एवं लोकमंचीय प्रस्तुति लोक नाट्य का प्रशिक्षण दिया गया। नाट्य कार्यशाला के समापन के अवसर पर तीन मंचीय प्रस्तुतियां दी गई।

संस्कृत विभाग की ओर से संस्कृत के कवि कालिदास के जीवन पर आधारित मोहन राकेश लिखित नाटक 'आषाढ़ का एक दिन' का मंचन किया गया। जिसमें महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने अभिनय किया। अभिनेता विद्यार्थियों के कला कौशल की बहुत प्रशंसा हुई। नाटक आषाढ़ का एक दिन मूलत संस्कृत के कवि कालिदास के जीवन पर आधारित नाटक है इस नाटक में कालिदास के अंतः मन के अंतद्वंद को नाटककार ने मनोवैज्ञानिक ढंग से उकेरा है। कालिदास के साथ नाटक की नायिका मल्लिका के चरित्र एवं निश्छल प्रेम को नाटककार ने गरिमा प्रदान की है। इस के निर्देशक राकेश बमबार्डे तथा हरजिंदर सिंह मोतिया थे। छत्तीसगढ़ का नाचा एक ऐसी विधा है जिसका कोई स्क्रिप्ट नहीं होता। नाचा की इसी स्वाभाविकता को बनाए रखते हुए स्वाभाविक प्रशिक्षण दिया गया, जिसके प्रहसन का नाम है ''सुम्मत के मितान'' का मंचन किया गया। इस मनमोहक प्रस्तुति ने सभी दर्शकों की तालियां एवं तारीफें बटोरी। इसके निर्देशक अजय कुमार उमरे एवं उनकी टीम रही।

छत्तीसगढ़ के लोक नाट्य 'अग्निपरीक्षा' का मंचन भी बहुत बढ़िया तरीके से किया गया। इसके निर्देशक छत्तीसगढ़ी एवं भोजपुरी फिल्म कलाकार 'राग अनुराग'; संस्था के संचालक श्री हेमलाल कौशल रहे । महाविद्यालय के प्राचार्य एवं विभागाध्यक्ष वरिष्ठ प्राध्यापकों द्वारा सभी प्रशिक्षक कलाकारों का शाल एवं श्रीफल से सम्मान किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में सेवा निवृत्त प्राध्यापक डॉ शंकर निषाद, थानसिंह वर्मा उपस्थित थे। प्रसिद्ध चित्रकार गिलबर्ट जी भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में सभी विभागों के वरिष्ठ प्राध्यापक, सहायक प्राध्यापक बड़ी संख्या में उपस्थित थे। जिनमें डॉ ए के पाण्डेय, वि. एस. गीते, डॉ. के पद्मावती, लक्ष्मेंद्र कुलदीप, तरूण कुमार साहू, प्रशांत कुमार दुबे, डॉ गोविन्द गुप्ता, शारदा सिंह, लता गोस्वामी, रमनी चंद्राकर प्रमुख थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ रजनीश उमरे ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन संस्कृत विभाग के विभाग अध्यक्ष जनेंद्र कुमार दीवान एवं डॉ ओमकुमारी देवांगन ने किया।

# युवा उत्सव तथा इतिहास विभाग द्वारा बस्तर लौह शिल्प कला उद्घाटित
# विद्यार्थी मजदूरी नही बल्कि परिश्रम करें - शिवेन्द्र परिहार

दिनांक 15.01.2025 को विद्यार्थियों को अपने आपको मजदूरी के स्थान पर परिश्रम हेतु तैयार करना चाहिए तभी उन्हें भविष्य में सकारात्मक परिणाम मिलेगें। ये विचार जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष शिवेन्द्र सिंह परिहार ने व्यक्त किये। श्री परिहार महाविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा आयोजित 10 दिवसीय बस्तर लौह शिल्प कला प्रशिक्षण कार्यशाला तथा राष्ट्रीय युवा दिवस के उद्घाटन समारोह में बड़ी संख्या में उपस्थित प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों को संबोधित कर रहे थे। श्री परिहार ने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे स्वामी विवेकानंद के आदर्शो पर चलकर अपने भारतीय होने पर गर्व करें।

सरस्वती पूजन, सरस्वती वंदना एवं छत्तीसगढ़ राज्य गीत अरपा पैरी के धार के प्रस्तुतिकरण के साथ आरंभ हुये कार्यक्रम में संचालक डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव ने बस्तर लौह शिल्प कार्यशाला की प्रासंगिकता एवं उससे विद्यार्थियों को होने वाले लाभ पर प्रकाश डाला। अपने स्वागत भाषण में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह ने कहा कि स्वामी विवेकानंद हर युग में हर उम्र के लोगों के लिए प्रेरणास्त्रोत है। डॉ. सिंह ने स्वामी विवेकानंद के जीवन से जुड़े अनेक संस्मरणों का उल्लेख भी किया।

दुर्ग संभाग के अपर संचालक, उच्चशिक्षा डॉ. राजेश पाण्डेय ने लक्ष्य आधारित शिक्षा पर जोर देते हुए कहा कि साईंस कालेज, दुर्ग के इतिहास विभाग द्वारा 10 दिवसीय बस्तर लौह शिल्प कार्यशाला आयोजित की जा रही है, वह राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप एवं विद्यार्थियों की कौशल क्षमता के आधार पर रोजगार चयन करने की दिशा में पहला कदम है। डॉ. पाण्डेय ने कहा कि कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों द्वारा निर्मित होने वाले में लौह शिल्पों का उपयोग महाविद्यालयों में होने वाले कार्यक्रमों के दौरान प्रदान किये जाने वाले स्मृति चिन्ह के रूप में किया जायेगा। साईंस कालेज, दुर्ग द्वारा स्टॉर्टअप योजना के अंतर्गत यह अन्य महाविद्यालयों के लिए भी अनुकरणीय प्रयास है। दुर्ग जिला भाजपा के अध्यक्ष श्री सुरेन्द्र कौशिक ने भी अपने विचार करते हुए युवा छात्र-छात्राओं से आव्हान किया कि वे अपने अध्ययन एवं भविष्य में सामंजस्य स्थापित करते हुए महाविद्यालय में पठन-पाठन करें।

कार्यक्रम के आरंभ अतिथियों का स्वागत प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह, वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. एस.एन.झा, डॉ. जगजीत कौर सलूजा ने किया। राष्ट्रगान के साथ समाप्त हुये कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अनिल पाण्डेय ने दिया तथा अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट करने वालो में में डा. अनिल कश्यप, डॉ. ए.के. पाण्डेय, डॉ. अभिनेष सुराना, डॉ. के. पद्मावती शामिल थे।

प्राचार्य, शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग (छ.ग.)
फोन- 0788 2211688 ई मेल:pprinci2010@gmail.com वेबसाइट www.govtsciencecollegedurg.ac.in